रांची, शनिवार
16.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 163, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखंड के दो मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी सीटों में बढ़ोतरी, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

बिभा संवाददाता

रांची। केन्द्र सरकार ने झारखंड के दो प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ आने वाले वर्षों में डॉक्टरों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी।

केंद्र से जिन मेडिकल कॉलेजों में सीट वृद्धि को मंजूरी मिली है, उनमें जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज और धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रमुख हैं।
धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में 100 एमबीबीएस सीटें थीं, जिन्हें बढ़ाकर 250 कर दिया गया है। यानी यहां 150 नई सीटों की वृद्धि हुई है। वहीं, जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पहले से 150 सीटें थीं, जिन्हें बढ़ाकर 250 कर दिया गया है। यानी यहां 100 सीटों की वृद्धि की गई है।
राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, विशेषकर अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह और पूरी टीम को दिया।
मंत्री ने कहा कि लगातार मॉनिटरिंग, केंद्र सरकार के साथ प्रभावी समन्वय और मजबूत प्रस्तुति के कारण यह सफलता संभव हो सकी।
स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस पूरी योजना के तहत केंद्र सरकार ने एमबीबीएस सीट विस्तार के लिए 225 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें 135 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी केंद्र सरकार की होगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों में पोस्ट ग्रेजुएट सीटों की भी मंजूरी दी गई है, जिससे राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा।
उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रस्ताव को अब आगे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंत्री ने इसे अपने लगातार प्रयासों, विभागीय समन्वय और ठोस पहल का परिणाम बताया।
स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक छात्र झारखंड से डॉक्टर बनें और अपने ही राज्य में रहकर लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि यह सपना अब साकार हो रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि सीटों में इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण और पिछड़े इलाकों को मिलेगा, जहां स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।
अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने भी इस निर्णय को राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी सीटें बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी सीटों में वृद्धि की योजना पर भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से जहां झारखंड के छात्रों को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे, वहीं राज्य में डॉक्टरों की संख्या में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

नीट की परीक्षा 21 जून को होगी दोबारा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद नीट (यूजी) 2026 की 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। एजेंसी ने सोशल मीडिया पर परीक्षार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल एनटीए के आधिकारिक माध्यमों पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। एजेंसी ने किसी भी जानकारी या सहायता के लिए neet-ug@nta.ac.in ई-मेल तथा हेल्पलाइन नंबर 011-40759000 और 011-69227700 जारी किए गए हैं। बैठक में आगामी परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

रांची में पेट्रोल-डीजल को लेकर अफरा-तफरी, पंपों पर लंबी कतारें, कई पंप हुए ड्राई

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में पेट्रोल-डीजल को लेकर शुक्रवार को अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। पेट्रोल पंप संचालकों और केंद्र सरकार की ओर से ईंधन का पर्याप्त भंडार होने का दावा किए जाने के बावजूद शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।
शुक्रवार सुबह करीब छह बजे से ही लोग बड़ी संख्या में पेट्रोल पंपों पर पहुंचने लगे। बाइक, स्कूटी और कारों की लंबी लाइनें लग गईं। कई लोग गैलन और बोतलों में भी पेट्रोल भरवाते नजर आए। अचानक बढ़ी मांग के कारण कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म होने की स्थिति उत्पन्न हो गई, जबकि कुछ पंप पूरी तरह ड्राई होकर बंद भी हो गए।
कोकर, लालपुर और डीपीएस के पास स्थित पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखी गई। कडरू पेट्रोल पंप, करमटोली पेट्रोल पंप और बरियातू समेत शहर के लगभग सभी प्रमुख पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कडरू ब्रिज के निकट स्थित पेट्रोल पंप पर सुबह से ही वाहन चालकों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं करमटोली-जेल रोड स्थित आमने-सामने के दो पेट्रोल पंपों में से एक नया पंप ईंधन खत्म होने के कारण बंद हो गया। बरियातू स्थित पेट्रोल पंप भी ड्राई होने के कारण बंद पड़ा रहा।
स्थिति को देखते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग घबराएं नहीं और केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल भरवाएं। अनावश्यक स्टॉकिंग से अन्य उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है और इससे पंपों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है।
उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन की आपूर्ति सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की भी अपील की।
इधर, झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता प्रमोद कुमार ने कहा कि तेल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है, लेकिन अचानक मांग बढ़ जाने के कारण कई पंपों पर ड्राई की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि जिन पंपों पर सामान्य स्थिति में तीन दिनों का स्टॉक रहता था, वह एक ही दिन में समाप्त हो जा रहा है।
उल्लेखनीय है कि पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। रांची में पेट्रोल की कीमत 97.86 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 100.86 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 92.62 रुपये से बढ़कर 95.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। नई दरें शुक्रवार सुबह छह बजे से लागू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है, जिसके चलते ईंधन कीमतों में इजाफा किया गया है।

भारत-यूएई के बीच 7 विषयों पर सहमति, 5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान 7 अहम विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई।
विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी से जुड़े समझौते का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भविष्य में वैश्विक संकट या तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान भारत को राहत देने में मदद करेगा।
एलपीजी आपूर्ति सहयोग समझौते के तहत यूएई भारत को दीर्घकालिक आधार पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ दोनों देशों की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा।
भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचे का उद्देश्य रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत दोनों देश रक्षा तकनीक साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और दोनों देशों के सामरिक संबंध मजबूत होंगे।
वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता भारत के समुद्री और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देगा। इससे जहाज मरम्मत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे।

गरीब, असहाय और आदिम जनजाति के लोगों को लाभ दिलाना ही उद्देश्य : डालसा

बिभ संवाददता

रांची: माननीय न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की मौजुदगी में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इसी आलोक में शुक्रवार के दिन सिल्ली प्रखण्ड के गोड़ाडीह पंचायत के गोड़ाडीह गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी शंकर महतो, कौशल्या देवी, वंशीधर घटवार, वंशीधर महतो, राजकुमार महतो, पंकज कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, ब्रजेश कुमार महतो, सामाजिक कार्यकर्ता - मुरलीधर घटवार, वार्ड मेम्बर, सुशीला देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

डालसा रांची के पीएलवी ने माननीय झालसा द्वारा संचालिय योजना तृप्ती पर उपस्थित ग्रामीणों को जानकारी दी। डालसा की टीम में कार्यरत पीएलवी ने कहा कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित प्रोजेक्ट तृप्ति राज्य में भूख को मिटाने और भुखमरी से होने वाली मौतों को रोकने के लिए शुरू की गई एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कानूनी कल्याणकारी योजना है। इस प्रोजेक्ट को मुख्य रूप से समाज के सबसे निचले पायदान पर रह रहे उन गरीब, असहाय और आदिम जनजाति के लोगों को लक्षित करके बनाया गया है, जो सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में भूखे सोने को मजबूर हैं। पीएलवी शंकर महतो एवं कौशल्या देवी ने नालसा के 10 स्कीमों के बारें में जानकारी दी। निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गयी। बताते चलें कि डालसा के कार्यरत पीएलवी ने आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भी जानकारी दी।

देवेंद्र नाथ सिंह उच्च विद्यालय चोरया में पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग का आयोजन

बिभा संवाददाता

चान्हो: झारखण्ड सरकार के समन्वय समिति के सदस्य श्री बंधु तिर्की की अगुवाई में शुक्रवार को चान्हो प्रखंड स्थित देवेंद्र नाथ सिंह उच्च विद्यालय चोरया में पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यालय के छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, शिक्षकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

मौके पर पूर्व मंत्री श्री बंधु तिर्की ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर अभिभावकों को जागरूक और जिम्मेदार बनना होगा। आज के समय में बच्चे पढ़ाई से अधिक मोबाइल और बाइक चलाने में व्यस्त हो रहे हैं, जो उनके भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने बच्चों से मोबाइल से दूरी बनाकर अपनी पढ़ाई और करियर पर ध्यान देने की अपील की। साथ ही अभिभावकों से भी बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा नाबालिग बच्चों को किसी भी स्थिति में बाइक नहीं देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में स्कूल पहुंचने पर पूर्व मंत्री का स्वागत किया गया।

मांडर महाविद्यालय की नई बिल्डिंग का एनएसयूआई प्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

मांडर: रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के मांडर महाविद्यालय प्रभारी अबू राफे, मांडर महाविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष अमन सहजाद एवं विश्वविद्यालय महासचिव अबू राफे के नेतृत्व में मांडर महाविद्यालय की नई भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य के. पी. साही भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने नई बिल्डिंग में चल रहे निर्माण कार्य, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा शैक्षणिक माहौल का जायजा लिया। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि नई बिल्डिंग बनने से छात्रों को बेहतर शिक्षा वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे महाविद्यालय के विकास को नई दिशा मिलेगी।

प्राचार्य के. पी. साही ने बताया कि महाविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। उन्होंने आशा जताई कि नई बिल्डिंग तैयार होने के बाद विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे। एनएसयूआई नेताओं ने महाविद्यालय प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छात्रहित से जुड़े हर मुद्दे पर संगठन हमेशा सक्रिय रहेगा तथा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

चचकोपी-शांति टोली सड़क ध्वस्त, ग्रामीणों को हो रही भारी परेशानी

बेड़ो(बिभा): प्रखंड अंतर्गत गांव चचकोपी में एस डी ए मिशन से चचकोपी शांति टोली जाने वाली सड़क एक स्थान पर पूरी तरह टूटकर गहरे गड्ढे में तब्दील हो गई है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क ध्वस्त होने के कारण दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का परिचालन प्रभावित हो गया है तथा लोगों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क से होकर रोजाना बड़ी संख्या में लोग बाजार, स्कूल तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। सड़क टूट जाने से खासकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को अधिक परेशानी हो रही है। बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

नारायण प्राइवेट आईटीआई कॉलेज लुपंगडीह के प्रांगण में सुखदेव थापर की जयंती मनाई गई

जमशेदपुर(बिभा) : नारायण प्राइवेट आईटीआई कॉलेज लुपंगडीह चाण्डिल में सुखदेव थापर की जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संस्था के निर्देशक डॉ जटा शंकर पाण्डे ,एडवोकेट निखिल ,संस्था के प्रचार्य जयद्वीप पाण्डे ,उप प्रचार्य शांति राम महतो सर ,संस्था के इंस्ट्रक्टर प्रकाश महतो, शुभम साहू , अजय मंडल ,शाशिभूषण महतो महतो ,संजीत महतो ,देवाशिष मंडल ,कृष्णा महतो ,गौरव महतो आदि उपस्थित रहे ।इस अवसर पर संस्था के निर्देशक डॉ० जटा शंकर पाण्डे ने कहा कि सुकदेव अंग्रेज उपनिवेशिक शासन के विरुद्ध लड़ने वाले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी थे ।उनका जन्म 15 मई 1907 ई० में नौधरा पंजाब प्रांत वर्तमान पाकिस्तान में हुआ था । वे पंजाबी खत्री समुदाय से थे और इनके चाचा लाला अचिंतराम ने इनका पालन-पोषण किया था। सुखदेव का पूरा नाम सुखदेव थापर था । उनका उपनाम विलेजर था । वे बचपन से ही साहसी निर्भीक और क्रांतिकारी विचार धारा के समर्थक थे । वे भगत सिंह , राजगुरु के साथ मिलकर क्रांतिकारी गतिविधियों से अंग्रेज शासन का पुरजोर विरोध करते थे। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे, जिन्होंने भगत सिंह और राजगुरु के साथ मिलकर 1928 में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्ससन को मारकर लाला लाजपत राय की मौत का बदला लिया। इसलिए माना जाता है की वे भी लाहौर षड्यंत्र केस में शामिल थे। उनका शहादत 23 मार्च 1931 (उम्र 23), लाहौर जेल में फांसी के रुप में हुई थी ।

आईडब्ल्यूसी जमशेदपुर ईस्ट द्वारा सूर्य मंदिर में मेगा जनकल्याणकारी परियोजना का उद्घाटन

जमशेदपुर (बिभा): इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा सूर्य मंदिर, सिदगोड़ा स्थित चिल्ड्रेन पार्क में अपनी मेगा जनकल्याणकारी परियोजना के अंतर्गत आम जनता की सुविधा हेतु 4 आईडब्ल्यूसी ब्रांडेड कुर्सियों का उद्घाटन किया गया। इस परियोजना का शुभारंभ जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू द्वारा किया गया। क्लब की अध्यक्ष डॉ. मीना मुखर्जी की दूरदर्शी सोच एवं समाजसेवा के प्रति समर्पण से यह सराहनीय पहल संभव हो सकी। इस परियोजना से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं पार्क में आने वाले अनेक लोगों को लाभ मिलेगा। लगभग 500 से अधिक लोगों के लिए यह सुविधा उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट के सभी 10 सदस्य उपस्थित रहे और परियोजना को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

रूडसेट संस्थान सिल्ली में फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी और वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण शुरू

बिभा संवाददाता

सिल्ली : श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं कैनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान, सिल्ली में 30 दिवसीय एवं 10 दिवसीय फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी तथा वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नेहा तिर्की, शाखा प्रबंधक,केनरा बैंक सिल्ली ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और वाणिज्यिक बागवानी जैसे कौशल युवाओं के लिए स्वरोजगार के सशक्त माध्यम बन रहे हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान अनुशासन, समर्पण और मेहनत के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने बताया कि 30 दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आधुनिक कैमरा संचालन, वीडियो शूटिंग, एडिटिंग तकनीक, लाइटिंग, फ्रेमिंग एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। वहीं वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण के अंतर्गत उन्नत खेती तकनीक,नर्सरी प्रबंधन, फल-फूल एवं सब्जियों की व्यावसायिक खेती, बाजार प्रबंधन तथा आय वर्धन के उपायों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षुओं ने भी इस अवसर को अपने भविष्य के लिए लाभकारी बताते हुए प्रशिक्षण से अधिकतम ज्ञान प्राप्त करने का संकल्प लिया। अंत में संस्थान की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 30 दिनों तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के अनेक युवक-युवतियाँ भाग ले रहे हैं। इस मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार,जगदीश चंद्र महतो, डी एस टी चंद्र भाषण झा,दशरथ कुमार महतो, रमेश कुम्हार, सुनील मुंडा उपस्थि रहे।

सिल्ली प्रखंड कांग्रेस की बैठक: पार्टी को पंचायत स्तर तक मजबूत करने पर जोर

सिल्ली: रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा के निदेर्शानुसार शुक्रवार को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक छोटा मुरी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो ने की। बैठक में कांग्रेस पार्टी को प्रखंड स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक अत्यधिक मजबूत करने के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने, नए कार्यकताओं को जोड़ने और जनता से सीधा संपर्क बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन ही आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूती देगा। इस अवसर पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी महासचिव प्रकाश मुंडा, सैय्यद कमर आलम, भगीरथ महतो, श्रीप्रसाद बड़ाईक, शमशेर आलम, सिल्ली पूर्वी मंडल अध्यक्ष देवाशीष दत्ता, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर के आउटरीच विभाग द्वारा आज एमटीएमसी परिसर में सफलतापूर्वक एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह संस्थान द्वारा आयोजित 7वाँ रक्तदान शिविर था। सामुदायिक सेवा एवं स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत संस्थान प्रतिवर्ष दो बार ऐसे शिविरों का नियमित आयोजन करता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त तथा जिला परिवहन पदाधिकारी सहित एमटीएमसी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति एवं प्रोत्साहन ने प्रतिभागियों को अत्यधिक प्रेरित किया तथा स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को एक महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य गतिविधि के रूप में और अधिक सुदृढ़ किया।

शिविर में एमटीएमसी के छात्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया, जो संस्थान में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय सेवा की सशक्त भावना को दशार्ता है। शिविर के दौरान कुल 175 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक संग्रहित किया गया, इस शिविर के सफल आयोजन ने एक बार पुनः जनस्वास्थ्य पहलों को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने तथा स्वैच्छिक रक्तदान अभियानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के प्रति मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

केशा पंचायत में पहला पेमेंट गेटवे भुगतान सफल, बेड़ो प्रखंड में डिजिटल व्यवस्था को मिली नई गति

बिभा संवाददाता

बेड़ो: रांची जिला अंतर्गत बेड़ो प्रखंड के केशा पंचायत में पहला पेमेंट गेटवे भुगतान सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इसके साथ ही यह बेड़ो प्रखंड का दूसरा सफल पेमेंट गेटवे भुगतान बन गया है। पंचायत स्तर पर डिजिटल भुगतान व्यवस्था की इस शुरूआत को ग्रामीण प्रशासन में तकनीकी बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पेमेंट गेटवे के माध्यम से भुगतान सफल होने के बाद पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों ने इसे पारदर्शी, सुरक्षित और तेज व्यवस्था बताया। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रणाली के लागू होने से पंचायत स्तर पर भुगतान प्रक्रिया अधिक सुगम होगी तथा योजनाओं से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी।

मौके पर बीपीसी खालिद अंसारी, मुखिया अंजू कच्छप, पंचायत सचिव रुखसाना प्रवीन, ब्लॉक कॉर्डिनेटर मसरूर आलम, पंचायत सहायक गोविंद भगत, मो नसीम, सकलैन हसन, पंचायत रखाव कर्मी महेंद्र गोप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करेगी और लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में सहायक साबित होगी। साथ ही यह पहल डिजिटल झारखंड की दिशा में मजबूत कदम मानी जा रही है।

स्थानीय लोगों ने भी इस नई व्यवस्था का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में पंचायत स्तर पर सभी भुगतान प्रक्रियाएं इसी प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएंगी।

बेड़ो प्रखंड कांग्रेस कमेटी की अहम बैठक संपन्न, बीएलओ एवं एसआईआर पर हुई विशेष चर्चा

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड मुख्यालय में बेड़ो प्रखंड कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीएलओ एवं एसआईआर को लेकर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संगठन की मजबूती एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के निदेर्शानुसार आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव ने की। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है तथा सभी बीएलओ को सक्रिय एवं सशक्त बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेड़ो प्रखंड क्षेत्र के 17 पंचायतों में कार्यरत बीएलओ को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। जो बीएलओ सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें भी सक्रिय होने की आवश्यकता है।

बैठक में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि 20 जून से पहले सभी आवश्यक कार्य एवं फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी कर ली जानी चाहिए, ताकि संगठनात्मक कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

उपप्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित उपप्रमुख मुदस्सिर हक, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, मंडल अध्यक्ष मीर मुस्लिम हुसैन, मंडल अध्यक्ष पंचू उरांव, देवनिश तिग्गा, सोमरा लोहरा, बुधराम लोहरा,मंटु उरांव,मनकु कुजूर, समशाद आलम,असमनी मिंज,मो. तल्लहा,सहित अन्य गणमान्य लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधायक संजीव सरदार के निर्देश के बाद हाता बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स के डिजाइन में होगा बदलाव

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका के हाता बिरसा चौक स्थित निमार्णाधीन बस स्टैंड सह मार्केट कॉम्प्लेक्स को लेकर पोटका विधायक संजीव सरदार के निरीक्षण और निर्देश के बाद प्रशासन एवं विभागीय अधिकारी पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। विधायक द्वारा निर्माण कार्य में पाई गई खामियों और डिजाइन संबंधी सुझावों के बाद अब नक्शा तैयार करने वाली कंसल्टेंसी एजेंसी को डिजाइन में पुनः बदलाव करने का निर्देश दिया गया है। विभागीय स्तर पर इसको लेकर मंथन शुरू हो गया है ताकि परियोजना को और अधिक उपयोगी एवं जनहितकारी बनाया जा सके।

विधायक संजीव सरदार ने बस स्टैंड सह मार्केट कॉम्प्लेक्स के ऊपरी तल्ले का बेहतर उपयोग करने को कहा था। विधायक के निर्देश के बाद अब भवन के ऊपरी हिस्से में आधुनिक रेस्टोरेंट एवं बैंक्वेट हॉल निर्माण की योजना पर काम शुरू किया गया है। इसके साथ ही ऊपर के हिस्से में एक अतिरिक्त शौचालय और किचन का भी निर्माण होगा। माना जा रहा है कि इससे यात्रियों, स्थानीय लोगों और व्यवसायियों को अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए क्षेत्रवासियों को बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने कहा कि हाता बिरसा चौक क्षेत्र का प्रमुख यातायात केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों लोग आवाजाही करते हैं। ऐसे में केवल बस स्टैंड तक सीमित न रहकर इसे एक आधुनिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार का उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में भी आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी सोच के तहत कॉम्प्लेक्स को ऐसा स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है जिससे यात्रियों, दुकानदारों और आम लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विधायक के सुझावों को प्राथमिकता देते हुए संशोधित डिजाइन पर जल्द कार्य आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि यह परियोजना क्षेत्र के लिए एक मॉडल सुविधा केंद्र के रूप में विकसित हो सके।

बेड़ो के नारी गांव में चक्रवाती आंधी का कहर, कई परिवारों का आशियाना उजड़ा

तेज बारिश और तूफान से मचा हड़कंप, पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

बिभा संवाददाता

बेड़ो: शुक्रवार को लगभग 3 बजे अचानक आई तेज बारिश एवं चक्रवर्ती आंधी-तूफान ने बेड़ो प्रखंड के नारी गांव में भारी तबाही मचा दी। तेज हवा और मूसलाधार बारिश के कारण कई गरीब परिवारों के घर-मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देखते ही देखते लोगों के आशियाने उजड़ गए और घरों में रखा सामान भी बर्बाद हो गया।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों में जगरनाथ उरांव पिता- फागु उरांव विनोद लकड़ा पिता- लाखो उरांव एवं जागो उराईन, नारी बघियाटोली शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि आंधी इतनी तेज थी कि घरों की छत उड़ गई और दीवारें तक क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद परिवारों के सामने रहने और खाने-पीने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री एवं उचित मुआवजा देने की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द सर्वे कर सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके।

ग्रामीणों के अनुसार, अचानक बदले मौसम ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना दिया। तेज तूफान के कारण कई पेड़ और बिजली के तार भी प्रभावित हुए।

उपायुक्त ने समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अलग-अलग कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। अनुपस्थित पाये गये कर्मियों के संबंध में यह भी सत्यापित किया गया कि उन्होंयने अवकाश के लिए आवेदन दिया है या नहीं।

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि कार्यालयों में अनुशासन और समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना प्रशासनिक कार्यसंस्कृति की पहली जरूरत है।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सभी कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों के टेबल पर स्पष्ट रूप से नेम प्लेट प्रदर्शित करने और प्रत्येक कर्मी के लिए पहचान पत्र धारण करने की भी जांच की। पंचायती राज कार्यालय में एक लिपिक के पहचान पत्र नहीं पहनने पर उन्होंने शोकॉज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन को कार्यालय में आने पर संबंधित कर्मी की पहचान में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

विभिन्न कार्यालयों में अनुकंपा के आधार पर पदस्थापित कर्मियों को दिये गये कार्यों की भी उपायुक्त ने जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कार्यालय प्रधानों से जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि ऐसे कर्मियों को कार्यालय के कार्यों की समुचित जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाये, ताकि वे दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से कर सकें। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सभी कर्मियों को कार्य की स्पष्ट समझ होना जरूरी है।

समाहरणालय भवन के विभिन्न फ्लोर में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अग्निशामक यंत्रों की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला नजारत उपसमाहर्त्ता को निर्देश दिया कि सभी तल्लों में अग्निशामक यंत्रों लगाया जाए और यह देखा जाये कि सभी यंत्र पूरी तरह फंक्शनल हों। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी।

उपायुक्त ने समाहरणालय भवन की छत का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने का निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए पानी जमा होने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने चौकीदारों को 24 घंटे समाहरणालय परिसर की निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त की नजर तीसरे तल्ले में खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी। पूछताछ करने पर उसने बताया कि निर्मल आवास परिसर में रहने वाले कुष्ठ पीड़ित समाज के लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस पर उपायुक्त ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी को वहां बोरिंग कराने का निर्देश दिया।

मौके पर अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) जेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवप्रोन्नत झाप्रसे के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से की शिष्टाचार भेंट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को रांची स्थित कांके रोड के मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के संयुक्त सचिव पद पर नवप्रोन्नत हुए अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर सभी नवप्रोन्नत अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनहित, सुशासन और विकास से जुड़े सरकारी कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले नवप्रोन्नत अधिकारियों में प्रवीण प्रकाश, विद्या भूषण कुमार, सचिंद्र बड़ाईक, प्रेम तिवारी, सत्यवीर रजक, सुमन पाठक, अमित बेसरा, महेंद्र कुमार, मोनी कुमारी, मोनिका रानी टूटी, रंजीत लोहरा, विजय विरुआ, मनीषा तिर्की, एनी सरोजिनी तिर्की और गीतांजलि शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल में संविदा कार्य से संबंधित एसओपी पर प्रशिक्षण आयोजित

रांची(बिभा)। सीसीएल मुख्यालय में सतर्कता विभाग के तत्वावधान में मानव संसाधन विकास विभाग ने 15 मई, 2026 को उत्खनन विभाग में संविदा कार्य से संबंधित एसओपी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्खनन विभाग में कॉन्ट्रैक्ट कार्य से संबंधित एसओपी पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार, महाप्रबंधक (उत्खनन विभाग) प्रवीण कुमार और महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास विभाग) मो. फैयाजुल हक की उपस्थिति रही। मौके पर सीसीएल के सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि यह एसओपी अधिकारियों के व्यावहारिक अनुभवों एवं कार्य निष्पादन के दौरान आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों से कार्य निष्पादन एवं प्रक्रियाओं के दौरान एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय के परियोजना अभियंता (उत्खनन) एवं फोरमैन सहित 60 प्रतिभागियों ने शिरकत की।

रांची में झारखंड-बिहार के पहले एलजी एचवीएसी शोरूम अनाबिया इंटरप्राइजेज का भव्य उद्घाटन

रांची(बिभा): राजधानी रांची के मेन रोड स्थित अंजुमन प्लाजा के प्रथम तल पर झारखंड-बिहार क्षेत्र के पहले अत्याधुनिक एलजी एचवीएसी (हीटिंग, वेंटीलेशन एंड एयर कंडीशनिंग) शोरूम अनाबिया इंटरप्राइजेज का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाफि जुल हसन एवं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों मंत्रियों ने फीता काटकर शोरूम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के व्यवसायी, गणमान्य नागरिक, उद्योग जगत से जुड़े लोग एवं एलजी कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाएं अब झारखंड में भी उपलब्ध हो रही हैं, जिससे राज्य के उपभोक्ताओं को बड़े महानगरों जैसी सेवाएं मिलेंगी। शोरूम संचालक हाजी शम्स तबरेज ने बताया कि अनाबिया इंटरप्राइजेज में एलजी के अत्याधुनिक कमर्शियल एवं रेजिडेंशियल एचवीएसी सॉल्यूशंस उपलब्ध रहेंगे। इस मौके पर धनंजय सिंह जोनल मैनेजर एलजी,राजेश तिवारी सेल्स मैनेजर झारखंड,आरिफ सर्विस मैनेजर एलजी,मुफ्ती सलमान कासमी,खुर्शीद, फैयाज कैसर,पप्पू ,मुफ्ती दाऊद,मुफ्ती कमरे आलम समेत कई लोग मौजूद थे.

पेट्रोल-डीजल, दूध एवं सीएनजी गैस की कीमतों के वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

रांची(बिभा): केन्द्र सरकार द्वारा लगातार पेट्रोल-डीजल, दूध एवं सीएनजी गैस की कीमतों में की जा रही वृद्धि तथा आम उपभोक्ताओं के बीच उत्पन्न किल्लत के खिलाफ झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी कल राज्यभर में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी एवं प्रधानमंत्री का पुतला दहन करेगी। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि का सीधा असर परिवहन, खाद्य सामग्री और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं पर पड़ रहा है। वहीं दूध एवं सीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश दिया है कि कार्यक्रम में जिले के सांसद, मंत्री, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, अग्रणी मोर्चा संगठन एवं विभागों के पदाधिकारी सहित सभी स्तर के कांग्रेसजन सक्रिय रूप से भाग लें। साथ ही जिला प्रभारियों को भी अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में पहुंचकर जिलाध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया है। सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी महंगाई, बेरोजगारी एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आम लोगों का जीवन संकट में पड़ गया है, लेकिन सरकार जनता की परेशानियों के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। इसी क्रम में राजधानी रांची में शनिवार शाम 04बजे अलबर्ट एक्का चौक पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं आम नागरिक शामिल होंगे।

माझी परगना महल पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावाँ के प्रतिनिधिमंडल ने की ग्रामीण विकास मंत्री से मुलाकात

पारंपरिक ग्राम सभा की मजबूती के लिए सरकार कृतसंकल्पित : दीपिका

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास और पंचायती राज के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पारंपरिक ग्राम सभा की अधिकार को लेकर हेमंत सरकार कृतसंकल्पित है। सरकार आदिवासी समाज की परंपराओं, अधिकारों और स्वशासन की भावना के सम्मान के साथ पेसा नियमावली को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में काम कर रही है।

इसे लेकर विभाग को निर्देश दिए गए हैं। मंत्री दीपिका शुक्रवार को पेसा नियमावली के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर माझी परगना महल, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां के प्रतिनिधिमंडल से अपने आवास में हुई मुलाकात के दौरान बोल रही थी।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने पेसा नियमावली 2025 के लागू होने पर मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पेसा नियमावली के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की।

मंत्री ने कहा कि पेसा नियमावली का उद्देश्य पारंपरिक ग्राम सभाओं को न सिर्फ. सशक्त बनाना है, बल्कि जनजातीय समुदाय को उनके अधिकारों, परंपराओं और स्वशासन की भावना के अनुरूप विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी है।

मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से आग्रह किया कि ग्राम सभा के गठन, सत्यापन, सीमांकन और प्रकाशन की प्रक्रिया में पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के प्रतिनिधियों परगना बाबा, मानकी बाबा, हातु मुंडा एवं माझी बाबाओं की सक्रिय भागीदारी को प्राथमिकता में रखा जाए। ताकि प्रक्रिया पारदर्शी एवं जनविश्वास के अनुरूप हो। इसके साथ ही पारंपरिक ग्राम सभा की अध्यक्षता पेसा नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप अनुसूचित जनजाति समुदाय के योग्य व्यक्ति की ओर से करने पर जोर दिया। स्थानीय भाषा में प्रशिक्षण देकर पारंपरिक नेतृत्व को ग्राम सभा संचालन के लिए सक्षम बनाने की बातें कही गई।

मंत्री ने कहा कि ग्राम सभा और समाज के स्तर पर नियमावली को लेकर दिए जा रहे तमाम सुझाव का विभाग स्वागत करती है। स्वशासन व्यवस्था को मजबूती से लागू करने के लिए सभी तर्कपूर्ण सुझाव को विभाग विचार करने के लिए तैयार है। क्योंकि ग्राम सभा की ताकत को हर एक ग्रामीण जनता को बताना और उसका लाभ दिलाना प्राथमिकताएं हैं।

महंगाई, बेरोजगारी और कॉपोर्रेटपरस्ती ने देश को संकट में धकेला : विनोद पांडेय

बिभा संवाददता

रांची : भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में देश की आम जनता को राहत देने के बजाय लगातार संकट, महंगाई और असुरक्षा की स्थिति में धकेलने का काम किया है। आज देश का मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, युवा और छोटे व्यापारी सभी आर्थिक दबाव और अस्थिरता से जूझ रहे हैं, जबकि सत्ता पक्ष केवल प्रचार, इवेंट प्रबंधन और बड़े उद्योगपतियों के हित साधने में व्यस्त दिखाई देता है।

नोटबंदी के दौरान आम लोगों को घंटों बैंक की कतारों में खड़ा रहना पड़ा। कोविड काल में अस्पताल, ऑक्सीजन और दवाइयों के लिए जनता त्राहिमाम करती रही। आज भी रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद जनता को राहत नहीं दी गई, जबकि तेल कंपनियां रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हैं। यह स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता जनता नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट हित हैं।

भाजपा सरकार लगातार जनता को त्याग, बचत और राष्ट्रहित का उपदेश देती है। पेट्रोल कम खर्च करो, विदेश मत जाओ, डॉलर बचाओ। लेकिन, दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों के विदेशी निवेश और विशेष आर्थिक सुविधाओं पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। आम नागरिकों पर राष्ट्रभक्ति का बोझ डाला जाता है, जबकि सत्ता के करीब बैठे लोगों को हर प्रकार की छूट दी जाती है। यह दोहरी नीति देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक संतुलन के लिए घातक है।

अंतर-माध्यम समन्वय से जनसंचार होगा अधिक प्रभावी : अखिल कुमार मिश्रा

बिभा संवाददाता

रांची : दूरदर्शन केंद्र, रांची में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) रांची द्वारा अन्तर माध्यम प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पीआईबी रांची/भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

दूरदर्शन रांची के समाचार संपादक एवं समिति के नोडल अधिकारी गौरव कुमार पुष्कर ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

अखिल कुमार मिश्रा ने विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय, संवाद और साझा कार्यप्रणाली को प्रभावी जनसंचार के लिए आवश्यक बताया। पीआईबी एवं सीबीसी रांची के कार्यालय प्रमुख राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि बैठक का उद्देश्य केंद्रीय संस्थानों के बीच समन्वय और जनसंपर्क व्यवस्था को मजबूत करना है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रांची इकाई के अधीक्षक शारिक उमर ने बताया कि वर्ष 2026 में ब्यूरो ने पांच बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए हैं।

अमित कुमार ने कहा कि दूरदर्शन

स्थानीय भाषाओं में धारावाहिक और विशेष कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। उन्होंने बताया कि दूरदर्शन की सामग्री को विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर पांच मिलियन से अधिक बार देखा गया है।

माय भारत झारखंड की राज्य निदेशक ललिता कुमारी ने विकसित भारत यंग लीडर संवाद, युवा संसद कार्यक्रम और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

सीसीएल के प्रतिनिधि मनीष तिवारी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में सीसीएल ने 82.2 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया। सीएसआर मद में लगभग 79 करोड़ रुपये व्यय किए गए। सीसीएल के लाल-लाडली योजना के तहत विद्यार्थियों को कोचिंग सुविधा दी जा रही है तथा पांच हजार विद्यार्थियों की क्षमता वाला पुस्तकालय बनाया जा रहा है। उन्होंने पशु एम्बुलेंस सेवा की जानकारी भी दी।

यूआईडीएआई के क्षेत्रीय निदेशक नीरज कुमार ने बताया कि झारखंड में आधार सेवाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त किया जा चुका है तथा 44 हजार विद्यालयों की नियमित निगरानी की जा रही है।

रांची रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक अभिजीत बिस्वास ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। गोविंदपुर रोड स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है तथा अयोध्या के लिए नई रेल सेवा शुरू की गई है।

नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक श्री आनंद कुमार ने बताया कि चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि जारी की गई है तथा प्रथम चरण में 1500 पैक्स कार्यालयों का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है।

एनटीपीसी की कॉरपोरेट संचार कार्यकारी सुश्री मोहिनी कुमारी ने बताया कि नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना में एसीसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। सीएसआर के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क निर्माण से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में सेल ने की पहल : 30 नि:शुल्क सहायक उपकरणों का किया वितरण

बिभा संवाददाता

रांची। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में सेल-आरडीसीआईएस ने पहल की है। इस क्रम में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत एलिम्को के सहयोगसे सीआरसी में 14 मई को दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का नि:शुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (सेल-आरडीसीआईएस) अंजना देवा ने किया। इन शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश में एक समावेशी एवं संवेदनशील समाज की स्थापना करना है, जहां दिव्यांगजनों को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें।

यह सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से आयोजित किया गया।

उल्लेखनीय है कि सेल-आरडीसीआईएस के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व योजना अन्तर्गत एलिको के द्वारा दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने के

लिए परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया था। इसमें 20 लाभार्थियों को चिन्हित किया गया था।

योजना के अन्तर्गत इन चिन्हित लाभार्थियों को लगभग 4.47 लाख के 30 सहायक उपकरण सेल द्वारा वितरण किया गया। इसमें 7 बैटरी चलित ट्राईसाइकिल, 2 फोल्डिंग व्हील चेयर, 8 बैसाखी, 4 बीटीई (कान की मशीन) और 9 ट्राईसाइकिल इत्यादि शामिल हैं।

मौके पर श्रीमती अंजना देवा ने कहा कि इस प्रकार की पहल दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

उज्जवल भास्कर ने सेल के नामकुम प्रखंड में गत दो दशकों से हुए परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। सभी हितधारकों को एकजुट होकर इस कार्य में लगने को प्रेरित किया।

कार्यक्रम मे संचार प्रमुख, (सेल-रांची) उज्जवल भास्कर, जीएम (एफएंडए, सेल-आरडीसीआईएस) केएस साहा, डीजीएम (एचआर, सेल-आरडीसीआईएस) प्रभात कुमार हेरो, ओसीटी (सेल-आरडीसीआईएस) पंकज, उप महाप्रबंधक एवं पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख (एलिम-?को) अनुपम प्रकाश, रीजनल हेड (एलिम-?को) संजय मंडल, निदेशक (सीआरसी) सूर्य मणि प्रसाद एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल: हरातू गांव में स्कूल का उद्घाटन

शिक्षा से बच्चों का भविष्य होगा मजबूत : डॉ. मयंक मुरारी

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल पर नामकुम प्रखंड स्थित हरातू गांव के स्कूल का उद्घाटन आज पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। उद्घाटन पंचायत की मुखिया नूतन पाहन, सरपंच अरविंद लोहरा एवं प्रधान गोपाल मुंडा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि शिक्षा ग्रामीण विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन लगातार गांवों में शिक्षा, कौशल विकास एवं आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है, ताकि बच्चों को बेहतर अवसर और अनुकूल वातावरण मिल सके।

इस अवसर पर मुखिया नूतन पाहन ने कहा कि गांव के विद्यालय में इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध होने से बच्चों को बेहतर माहौल में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा किया गया यह कार्य गांव के शिक्षा विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सरपंच अरविंद लोहरा ने कहा कि स्कूल का जीर्णोद्धार और आधारभूत सुविधाओं का विकास ग्रामीण बच्चों के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इससे गांव के अभिभावकों और बच्चों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनेगा।

उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा स्कूल में चारदीवारी, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही बच्चों के लिए बेंच-डेस्क, कुर्सी, अलमारी आदि उपलब्ध कराए गए हैं। स्कूल भवन के खिड़की एवं दरवाजों की मरम्मत, रंग-रोगन तथा पूरे स्कूल परिसर का जीर्णोद्धार भी किया गया है, जिससे विद्यालय का वातावरण आकर्षक और सुविधाजनक बन सका है।

उन्होंने आगे कहा कि स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के विकास से बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम में उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से प्रिया बागची, बरुण कुमार, भुनेश्वर महतो, मेवालाल महतो, मोनित भूटकुमार एवं संगीता कुमारी उपस्थित थे। साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-30 से 32-26-27 (खुली), दिनांक 14.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-30-26-27, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत पूर्व बर्द्धमान, धनबाद एवं बीरभूम जिले में भूमि प्लान के म्यूटेशन में सहयोग सहित प्रमाणन के लिए खुली निविदा । **निविदा मूल्य :** रु.31,14,400/-, **बयाना राशि :** रु. 62,300/- **क्रम सं. 2, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-31-26-27, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत पश्चिम बर्द्धमान जिले में भूमि प्लान के म्यूटेशन में सहयोग सहित डिजिटलीकरण एवं प्रमाणन कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य** : रु.44,06,321.30, **बयाना राशि** : रु. 88,100/-, **क्रम सं. 3,** केस संख्या : ओ-एसी-टी-32-26-27, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत जामताड़ा, जमुई, गिरीडीह और देवघर जिले में भूमि प्लान के म्यूटेशन में सहयोग सहित डिजिटलीकरण एवं प्रमाणन कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.38,24,210.90, **बयाना राशि :** रु. 76,500/-**कार्य समाप्त करने की अवधि:** 06 माह (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु) । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 09.06.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-84/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

झारखंड छात्र मोर्चा ने फूंका केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री का पुतला; नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर बोकारो में भारी आक्रोश

बिभा संवाददाता

बोकारो: झारखंड छात्र मोर्चा, बोकारो जिला इकाई द्वारा आज जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष सुमित रवानी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं और छात्रों ने केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री का पुतला दहन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सुमित रवानी ने कहा कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं की खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा, एनटीए द्वारा 12 मई को परीक्षा रद्द करने की घोषणा यह साबित करती है कि व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। यह केवल एक परीक्षा रद्द होना नहीं है, बल्कि लाखों मेधावी छात्रों के सपनों की हत्या है। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय का गैर-जिम्मेदाराना रवैया साफ झलकता है।

छात्र मोर्चा के जिला सचिव प्रदीप कुमार ने मंत्रालय पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मंत्री महोदय छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बार-बार पेपर लीक होना व्यवस्था की सुस्ती और भ्रष्टाचार को दशार्ता है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों पर ऐसी कार्रवाई की जाए जो मिसाल बने।

इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अमित महतो नगर सचिव रोहित यादव प्रखंड अध्यक्ष विकास सोरेन छात्र नेता राहुल कुमार, संजय सिंह, प्रकाश मुर्मू, आकाश महतो समेत सैकड़ों की संख्या में छात्र और मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड छात्र मोर्चा, बोकारो प्रफूल युगल किशोर रजक, दीपक बंशल, कुंदन दास,विनोद बिहारी,राजेश्वर रजक, विक्की कात्यायन,संतोष विश्वकर्मा, सुमन वर्मा,अजीत मुर्मू, महेश सोरेन, कलीम अंसारी, अभिषेक पांडेय, प्रेम राय, अजय रजवार, सोमनाथ घोष, चंदन सिंह, राजेश कुमार, रूपेश सिंह, राहुल कुमार, संतोष हेंब्रम, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केमिस्ट एसोसिएशन ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का आह्वान, केंद्र-राज्य से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने राष्ट्रीय संस्था ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के निदेर्शानुसार 20 मई 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद (हड़ताल) का आह्वान किया है। संघ का कहना है कि अवैध ई-फार्मेसियों तथा बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग से छोटे एवं मध्यम स्तर के केमिस्ट्स की आजीविका और जनस्वास्थ्य दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

संस्था ने अपनी जारी संवाद में बताया कि AIOCD देशभर में लगभग 12.40 लाख केमिस्ट्स व वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है और लाखों परिवारों की आजीविका इन चुनौतियों से प्रभावित हो रही है। केमिस्ट्स ने केंद्र एवं राज्य सरकारों के समक्ष बार-बार मुद्दे उठाने के बावजूद समस्या के निराकरण में विफलता पर चिंता व्यक्त की है।

बिना वैध चिकित्सीय पर्चे दवाओं की बिक्री, प्रिस्क्रिप्शन के दुरुपयोग, एंटीबायोटिक्स व नशे की दवाओं की अनियंत्रित उपलब्धता, नकली प्रिस्क्रिप्शन का उपयोग तथा फार्मासिस्ट-रोगी संवाद की कमी जैसी समस्याओं का त्वरित निवारण। जनस्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (अटफ) जैसी जोखिमों को रोकने के लिए प्रभावी नियामक कार्रवाई।

केमिस्ट्स का कहना है कि औषधि कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है और सही दवा का सही रोगी तक सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सक और पंजीकृत फार्मासिस्ट के माध्यम की आवश्यकता अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी है कि नियमन में शिथिलता सामाजिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है।

बोकारो जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों से भी अनुरोध किया है कि वे राज्य स्तर पर तत्काल हस्तक्षेप कर इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। साथ ही संघ ने केंद्र सरकार को सशक्त अनुशंसा भेजने का आग्रह किया है ताकि उपर्युक्त अधिसूचनाओं को वापिस लिया जाए और प्रिडेटरी प्राइसिंग पर रोक के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू हों।

संस्था ने अपने बयान में कहा है कि उनके निरंतर प्रयासों व प्रस्तुतियों के बावजूद कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है, जिससे औषधि व्यापार जगत में व्यापक असंतोष व्याप्त है। इसलिए 20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद के माध्यम से वे अपनी मांगों को सरकारों के ध्यानाकर्षण के लिए मजबूती से उठाएँगे।

संक्षिप्त खबरें

अलग-अलग मामले के दो आरोपी को बालीडीह पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा

बोकारो(बिभा) : बालीडीह क्षेत्र के कुमीर्डीह निवासी मनोज कुमार गुप्ता ने 19 नवंबर 2025 को टंकित आवेदन दिया था, जिसमें लिखा था कि 18 नवंबर 2025 की संध्या में इनकी पुत्री दुकान में बैठी थी। इस दौरान राहुल कुमार नाम का व्यक्ति दुकान में घुसकर इनकी बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा। दुकान से सामन भी ले लिया। संयोग वश इस घटनाक्रम के बीच ये भी वहां पहुंच गया। दुकान में सब देखकर उसने आरोपी राहुल को रोकने की कोशिश की, जिससे वह और ज्यादा उग्र हो गया। दुकान में रखा शीशे का बोतल फोड़कर मनोज पर उपर हमला कर दिया, जिससे बूरी तरह जख्मी हो गया। समर्पित आवेदन के आधार पर बालीडीह थाना काण्ड सं0-35/25, धारा-333/126(2)/115(2)/ 117(2)/ 109/305ए/ 74/351(2)/352 बी०एन०एस० दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के कम में इस काण्ड के फिरार चल रहे अभियुक्त राहुल कुमार को 15 मई शुक्रवार को गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि राहुल कुमार का पहले भी अपराधिक इतिहास रहा है। बालीडीह थाना में मामला दर्ज है। वहीं, एक अन्य मामले में फरार चल रहे इस्लामपुर हैसाबातु निवासी वारण्टी आसिफ रजा को भी शुक्रवार को बालीडीह पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इन दोनों मामले में छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी / कर्मी पु०अ०नि० फागुराम उरांव, जितेन्द्र कु० यादव, शशिकान्त ठाकुर, अजय कुमार राय, आ0 किशोर कुमार, राजेश कु० पासवान शामिल थे।

रॉयल पब्लिक स्कूल में हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता संपन्न

बोकारो(बिभा)। रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 में शुक्रवार को हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से 4 तक के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि जगाना व काव्यात्मक अभिव्यक्ति को निखारना था। छात्रों ने सूरज ,चांद ,बिल्ली, कौवा, नदी, प्रकृति, पर्यावरण, मेरा देश इत्यादि विषय पर कविताएं सुनाई। कविताओं के माध्यम से बच्चों ने देशभक्ति, प्रकृति-प्रेम व नैतिक मूल्यों का सुंदर संदेश दिया। कविता वाचन में रूसाक पंडित,आशीष, सुप्रिया, जमुना, आयुष, कामाक्षी, प्रियांशु, जियांशु, उमंग, श्रुति ,अदिति, आरुष, मोहित, शैली, सिद्धार्थ, अर्वंतिका ,पलक इत्यादि बच्चों ने भाग लिया ।इस अवसर पर प्रधानाचार्य रूपम गुप्ता ने बच्चों को कहा कविता हमारे मन की आवाज है। हिंदी हमारी पहचान है, हमारी संस्कृति की संवाहक है। छात्रों ने जिस आत्मविश्वास से मंच पर कविताएं सुनाईं, वह देखकर मुझे गर्व हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज संगीता कुमारी,शकुंतला देवी,ज्योति, गीता देवी ,रेनू कुमारी,ऋषभ दुबे व सीमा प्रसाद ने सहयोग किया।

अर्जक संघ बोकारो जिला द्वारा मानवता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो (बिभा)। अर्जक संघ बोकारो जिला द्वारा आज मानवता दिवस पर्व (महामना गौतमबुद्ध का जन्मदिवस) के अवसर पर अर्जक संघ जिला कार्यालय, डॉ. अम्बेडकर मानस संस्थान, सेक्टर-8 बी, बोकारो में हर्षोल्लास एवं मानव सेवा की भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्जक संघ बोकारो जिला अध्यक्ष उषा सिंह ने की। मानवहित एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए अर्जक संघ द्वारा रेड क्रॉस के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला अध्यक्ष उषा सिंह ने स्वयं रक्तदान कर किया। रक्तदान करने वालों में रविन्द्र कुमार, उपेन्द्र नाथ वर्मा, अम्बेडकर कुमार, रवि कुमार, प्रभात कुमार, विक्रम जय, मनोज कुमार, मालती अर्जक, मनोज कुमार सिंह एवं अंकित कुमार शामिल रहे। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. राकेश कुमार द्वारा सभी डोनरों को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष उपहार भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उषा सिंह ने कहा कि मानवता दिवस के अवसर पर आयोजित यह रक्तदान शिविर समाज में बढ़ती मानवता, जागरूकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। रक्तदान महादान है। यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। हम सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम में महेंद्र प्रसाद (कोषाध्यक्ष), मुक्तेश्वर कुमार, धर्मदेव राम, बन्धु प्रसाद रजक, यमुना राम, देवनारायण प्रसाद, उपेन्द्र नाथ वर्मा, आरती कुमारी, रवि शंकर कुमार, महताब अली अहमद, सुनिल कुमार, राज कुमार, मोजिबा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

चास में विधायक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन, सरकारी कार्यों में पारदर्शिता व शीघ्र समाधान का विश्वास

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) – चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने शुक्रवार को चास प्रखंड कार्यालय परिसर में विधायक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन कर बताया कि सरकारी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि अब स्थानीय निवासियों को अपने शिकायत व मुद्दों के लिए सीधे प्रखंड परिसर में विधायक अथवा उनके प्रतिनिधियों से मिलने की सुविधा उपलब्ध होगी।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि यह कार्यालय ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर योजनाओं के शत-प्रतिशत पारदर्शी व प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधायक ने कहा, ₹इस पहल से आम लोगों को सरकारी कार्यों में आने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और उनकी समस्याओं का शीघ्र निवारण संभव होगा।₹ उन्होंने यह भी कहा कि प्रखंड स्तर पर जनता की शिकायतों को सुनकर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक जवाबदेह व पारदर्शी बनाया जाएगा।

उद्घाटन के उपरांत उमाकांत रजक ने बीडीओ प्रदीप कुमार व सीओ सेवाराम साहू के साथ बैठक कर विकास कार्यों व जनसमस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचना चाहिए। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम में बीडीओ प्रदीप कुमार, सीओ सेवाराम साहू के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य नागरिकों एवं पदाधिकारियों – विश्वनाथ महतो, भोलेनाथ गोप, किरण चंद्र मांझी, संतोष रजक, प्रकाश शर्मा, मुक्तेश्वर महतो, राजकिशोर महतो, किरण बाउरी, लुकमान अंसारी, इमामुद्दीन असारी, त्रिलोचन सिंह, लक्ष्मीकांत गोराई, चितरंजन मंडल, अंबुज प्रमाणिक, रंजीत महथा, भैरव चौबे, आशीष सिंह चौधरी, परशुराम महतो, असित मिस्त्री, सुशांत मुंडा, आनंद महतो, सुफल बाउरी, मस्तान, अयुब असारी, अताउद्दीन असारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बोकारो सिविल कोर्ट ने सुनाई फैसला: विष्णु शर्मा हत्याकांड के दो आरोपियों को उम्रकैद

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो सिविल कोर्ट की विशेष अदालत में शुक्रवार को सुनाया गया फैसला चास थाना क्षेत्र की शिवपुरी कॉलोनी में 19 मई 2023 को हुई गोलीकांड से जुड़ा मामला समाप्त हुआ। एडीजे-1 दीपक वर्णवाल की अदालत ने हत्या के दोषी पाए गए सनोज सिंह और अजीत सिंह को आज आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की हत्या संबंधी धाराओं के अलावा धारा 201 (साक्ष्य नष्ट करना या छिपाना) के तहत सात वर्ष और आर्म्स एक्ट के तहत सात वर्ष की सजा भी सुनाई। सजा का प्रकार और सजाओं के अनुपालन संबंधी विस्तृत निर्देश न्यायालय ने आदेश में दिए हैं।

घटना 19 मई 2023 को चास थाना क्षेत्र की शिवपुरी कॉलोनी में विष्णु शर्मा को घर बुलाकर ताबड़तोड़ गोली मार दी गई थी, जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई।

मामले में कुल 13 गवाहों के बयान अदालत में दर्ज हुए, जिनकी गवाही के आधार पर प्रमाणिकता और आरोप सिद्धि पर विचार किया गया। घटना के तीन वर्षों के बाद यह निर्णायक फैसला आया है।

एडीजे-1 दीपक वर्णवाल ने अभियोजन पक्ष की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्यों का विश्लेषण कर दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्य तथा गवाहों की विश्वसनीय गवाही से हत्या की साजिश और आरोपियों की संलिप्तता पुष्ट होती है। अभियुक्तों पर दी गई अतिरिक्त धारा 201 एवं आर्म्स एक्ट की सजा भी मामला के संपूर्ण अपराध स्वरूप को ध्यान में रख कर सुनाई गई है। स्थानीय लोग और पीड़ित पक्ष के प्रतिनिधियों ने फैसले पर संतोष जताया। पुलिस अधिकारी और अभियोजन पक्ष ने भी अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि न्याय मिलने से पीड़ित परिवार को मनोवैज्ञानिक राहत मिलेगी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दोषी पक्ष क्या उच्च न्यायालय में अपील दायर करेगा या नहीं।

भारतीय रेल ने आद्रा मंडल में आयोजित किया शपथ ग्रहण समारोह, प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने का संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारो : एंड प्लास्टिक पॉल्यूशनह्व विषय के तहत विश्व पर्यावरण दिवस अभियानझ्2026 के अंतर्गत आज आद्रा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक मुकेश गुप्ता ने की। यह कार्यक्रम 15.05.2026 से 05.06.2026 तक चलने वाले अभियान का भाग है।

समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री मुकेश गुप्ता ने कार्यालय के विभिन्न शाखा अधिकारियों तथा कर्मचारियों को एकजुट होकर प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और स्वच्छ तथा हरित वातावरण के निर्माण के लिए शपथ दिलाई। उन्होंने कर्मियों से कहा कि वे अपनी दैनिक जीवन शैली में पर्यावरण अनुकूल बदलाव अपनाएँ और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य सदस्यों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करें।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती सीमा कुमारी सहित मंडल कार्यालय के सभी शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे और उन्होंने सामूहिक रूप से शपथ ग्रहण में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि अभियान के दौरान कार्यालय स्तरीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर जागरूकता गतिविधियाँ, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर कार्यशालाएँ और स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय रेल ने इस पहल को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। आद्रा मंडल द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान से स्थानीय स्तर पर भी प्लास्टिक मित्रवत व्यवहार अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल में समर कैंप का भव्य समापन

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में आयोजित समर कैंप 2026 का समापन पाँचवें दिन एग्जिबिशन डे के रूप में बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य रेवरेन्ड फादर डिनू एम. डेनियल द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, बच्चे, शिक्षिकाएँ एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

उद्घाटन के पश्चात अभिभावकों ने समर कैंप के दौरान बच्चों द्वारा बनाई गई विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों, कला कार्यों एवं शिक्षण प्रदर्शनों का अवलोकन किया। विशेष रूप से नर्सरी एवं प्रेप के बच्चों ने अपने-अपने कक्षाओं में बैठकर चार दिनों में बनाई गई गतिविधियों एवं क्राफ्ट को बड़े उत्साह, आत्मविश्वास एवं खुशी के साथ स्वयं अपने अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत किया। अपने छोटे-छोटे बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपनी रचनात्मक गतिविधियों को समझाते हुए देखकर अभिभावक अत्यंत भावुक एवं प्रसन्न दिखाई दिए।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि यह पाँच दिवसीय समर कैंप प्रत्येक वर्ष पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया जाता है। इसके पीछे विद्यालय की मुख्य भावना यह है कि शुल्क न होने के कारण अधिक से अधिक बच्चे इसमें भाग ले सकें और सभी बच्चों को इस प्रकार की रचनात्मक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों का लाभ मिल सके। विद्यालय का उद्देश्य किसी प्रकार का आर्थिक लाभ प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के समग्र एवं सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है, ताकि बच्चे आत्मविश्वासी, रचनात्मक एवं सामाजिक रूप से मजबूत बन सकें।

प्रधानाचार्य रेवरेन्ड फादर डिनू एम. डेनियल ने अपने संदेश में कहा कि समर कैंप बच्चों के लिए सीखने, नए अनुभव प्राप्त करने एवं नैतिक मूल्यों को समझने का एक सुंदर माध्यम बना। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता, सहभागिता एवं सामाजिक व्यवहार जैसी महत्वपूर्ण बातें सीखीं। उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति (ठएढ) के अनुसार बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए परिवार, विद्यालय एवं बच्चों – तीनों की समान सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय ने अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने तथा बच्चों को स्वयं अपनी गतिविधियाँ प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

बोदरोटॉड़ समेत चार ग्राम में भारी वाहनों के परिचालन से जनजीवन प्रभावित, ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू किया

बिभा संवाददाता

तुपकाडीह (बोकारो): आदिवासी बहुल्य क्षेत्रों बोदरोटॉड़, झिकलोपा, बरुवाटाँड़ और डुंगरीघुदू के निवासियों ने जिलाधिकारी और संबंधित कम्पनी प्रबंधन के सुस्त रवैये के खिलाफ आज सड़क पर आवाज बुलंद की। ग्रामीणों का आरोप है कि टीसी एसजीपी गेट से तुपकाडीह नहर मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन से स्थानीय जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, बावजूद इसके प्रशासन ने गत 17 अप्रैल 2026 को दिए गए आवेदन पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

ग्रामीणों ने बताया कि बिना तिरपाल की ढकी हुई भारी स्लैग लदी गाड़ियों से सड़क पर गिरते बोल्डर और बड़े- बड़े गड्ढे खतरे का कारण बन गए हैं। टूट-फूट और जर्जर सड़क का असर रोजमर्रा की आवाजाही पर पड़ रहा है। खासकर स्कूली बच्चे, मजदूर और बुजुर्गों का आवागमन दुष्कर हो गया है और आए दिन चोटिल होने की घटनाएँ बढ़ रही हैं।

आंदोलनकारी ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने 17 अप्रैल को जिला प्रशासन तथा बीएसएल प्रबंधन को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया था, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गयी। नाराज ग्रामीणों ने आज कंपनी द्वारा संचालित स्लैग लाईन से जुड़ी भारी वाहनों का परिचालन अनिश्चितकालीन तौर पर बंद कर दिया है। प्रदर्शनकारी साफ शब्दों में कह रहे हैं कि यदि इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना या काम में बाधा उत्पन्न होती है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं संबंधित कंपनियों की होगी।

ग्रामीण प्रतिनिधि ने कहा, हमने प्रशासन को पर्याप्त समय दिया, पर जब तक हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती हम आंदोलन वापस नहीं लेंगे। अभी तक जिला प्रशासन या कम्पनी प्रबंधन की ओर से किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह मामला क्षेत्रीय सुरक्षा, स्कूलों की नियमित उपस्थिति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है। अगर शीघ्र समाधान नहीं निकला तो प्रदर्शन और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय लोग प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की अपेक्षा कर रहे हैं ताकि जनजीवन सामान्य हो सके और बच्चों-मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मौके पर बीरबल मरांडी, संजय बसेरा वार्ड सदस्य, धीरेन सोरेन, अजय हेंब्रम, जोगेंद्र सोरेन, राजन कर्मकार,मोहन कर्मकार,रसिक हेंब्रम, सुभाष सोरेन, बहादुर मांझी, वित्तोष टुडू, विश्वजीत सोरेन, गौतम कर्मकार, फागू मांझी, हीरालाल सोरेन, सूरज हेंब्रम सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सीबीएसई : 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षाएं बोकारो में शांतिपूर्ण शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं कक्षा की मुख्य परीक्षा के अंकों में सुधार के उद्देश्य से आयोजित दूसरी बोर्ड परीक्षाएं 15 मई से शुरू हो गईं। ये परीक्षाएं आगामी 21 मई तक चलेंगी। बोकारो में इसके लिए कुल पांच परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, उक्त पांच केंद्रों पर पहले दिन शुक्रवार को कुल 2967 विद्यार्थियों ने गणित स्टैंडर्ड व बेसिक विषय की परीक्षा दी। कुल पंजीकृत 3184 परीक्षार्थियों में से 217 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन, सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा वीक्षकों के सहयोग से परीक्षाएं कदाचारमुक्त माहौल में पूर्णतया शांतिपूर्ण शुरू हुईं। कहीं से भी किसी गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है।

केन्द्रवार जानकारी देते हुए डॉ. गंगवार ने बताया कि एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में गणित स्टैंडर्ड के 538 व बेसिक के 71, डीपीएस बोकारो में मैथ्स स्टैंडर्ड के 567 व बेसिक के 73, डीपीएस चास में मैथमेटिक्स स्टैंडर्ड के 425 एवं बेसिक के 19, चिन्मय विद्यालय में गणित स्टैंडर्ड के 563 एवं बेसिक के 75 तथा डीएवी सीसीएल ढोरी स्थित केंद्र में मैथ्स स्टैंडर्ड के 535 एवं बेसिक के 101 परीक्षार्थी शामिल हुए। सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था एवं गहन जांच के बाद परीक्षार्थियों को एग्जाम हॉल में इंट्री दी गई।

सीएम उत्कृष्ट विद्यालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग के सीएम उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल) का आज 15 मई उपायुक्त हेमन्त सती द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने 12वीं की परीक्षा में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन नहीं होने पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती निकिता कुमारी से मुलाकात की तथा शिक्षण व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय में शिक्षकों की उपलब्धता की जानकारी ली। इस पर प्राचार्या ने बताया कि कक्षा 6 से 12 तक कुल 520 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं तथा सभी विषयों के लिए कुल 28 शिक्षक कार्यरत हैं। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों के कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि विद्यालय का शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर हो सके। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति की भी समीक्षा की तथा विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ प्रेरित करने पर भी जोर दिया। उपायुक्त श्री सती ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के बेहतर तरीके भी बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय की गहराई से समझ विकसित करें तथा पिछले 10 से 12 वर्षों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करें। जिन प्रश्नों को समझने में कठिनाई हो, उन्हें शिक्षकों से पूछें तथा मोबाइल का सकारात्मक उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री का लाभ उठाएं। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि प्रत्येक अध्याय की पढ़ाई पूर्ण होने के बाद नियमित रूप से टेस्ट आयोजित करें तथा विद्यार्थियों को लिखकर अभ्यास करने के लिए प्रेरित करें। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया तथा प्राचार्या को आवश्यक संसाधनों से संबंधित किसी भी समस्या को प्रशासन के संज्ञान में लाने को कहा एवं परिसर में साफ सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित रहकर पूरी मेहनत और लगन के साथ अध्ययन करने का संदेश दिया।

नीट परीक्षा में पेपर लीक को लेकर झामुमो ने जोरदार प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया

बिभा संवाददाता

लातेहार: नीट (यूजी) 2026 परीक्षा में हुई कथित भारी गड़बड़ी एवं पेपर लीक के विरोध में आज झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा एवं छात्र संघ के संयुक्त तत्वाधान में लातेहार जिला मुख्यालय में जोरदार विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव एवं छात्र संघ जिला अध्यक्ष राजेंद्र भगत ने किया।
कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता पहले कल्याण विभाग कार्यालय, लातेहार के समीप एकत्रित हुए, जहां से आक्रोश मार्च निकालते हुए डीसी ऑफिस मुख्यालय गेट पहुंचे। वहां केंद्र सरकार एवं शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई तथा पेपर लीक एवं अनियमितताओं के विरोध में मानव संसाधन मंत्रालय का पुतला दहन किया गया।इस अवसर पर पूर्व मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होना देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ रंदेव ने कहा कि युवाओं के सपनों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और झारखंड मुक्ति मोर्चा छात्रों की आवाज बुलंद करता रहेगा।

नीट परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक मामले को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने किया केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नीट परीक्षा रद्द होने एवं पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा हजारीबाग के डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार एवं भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट का पेपर लीक होना और बाद में परीक्षा रद्द होना केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था की पूरी विफलता को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार प्रतियोगी परीक्षाएं भ्रष्टाचार, लापरवाही और पेपर माफियाओं की भेंट चढ़ रही हैं, जबकि सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है। झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के युवाओं के भविष्य को मजाक बनाकर रख दिया है। लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन केंद्र सरकार की लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ भाषण और विज्ञापन में चल रही है, जमीनी स्तर पर शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। नीट परीक्षा रद्द होना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार परीक्षा कराने तक में सक्षम नहीं रह गई है।उन्होंने आगे कहा कि पेपर लीक कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि संगठित भ्रष्टाचार का हिस्सा बन चुका है और भाजपा सरकार पेपर माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाय अपनी छवि बचाने में लगी हुई है। उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।वहीं झामुमो जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि आज देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। वर्षों की कठिन मेहनत और अभिभावकों की उम्मीदों के बाद छात्र परीक्षा देते हैं, लेकिन भाजपा शासन में हर बड़ी परीक्षा विवाद और घोटालों का शिकार हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और अब उनकी परीक्षाओं की विश्वसनीयता भी समाप्त कर रही है।नीलकंठ महतो ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है। एक तरफ छात्र आत्मिक तनाव और भविष्य की चिंता से जूझ रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो झामुमो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा।इस मौके पर जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया, जिला सचिव नीलकंठ महतो, केंद्रीय सदस्य सुनील शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रंजीत मेहता , जिला प्रवक्ता कुणाल यादव, सह सचिव अब्दुल्ला खां, नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश, नगर सचिव निसार अहमद, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र मेहता , रवि सिंह, रामकुमार मेहता, बीरबल मेहता, सोहन मेहता, मुकेश रावत, बल कुमार महतो, राजेश मेहता, अख्तर अंसारी, बबलू चंद्रवंशी, रीना कुमारी, प्यारी देवी, उमेश प्रसाद गुप्ता, साजमा खातून, राजीव वर्मा, रिक्की लकड़ा, पिंटू कुमार, रंजीत कुमार, सतीश कुमार, विपुल कुमार गोलू कुमार, अजय मेहता, ऋषि मेहता, दिलीप कुमार, श्वेता दुबे, शानू गोस्वामी, अभिजीत कुमार, रोहित कुमार, आयुष कुमार, आनंद कुमार, दीपक कुमार समेत कई अन्य लोग शामिल थे.

उपायुक्त ने आमजनों की सुनी समस्याएं

लोहरदगा(बिभा)। शुक्रवार 15 मई को उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने जनता मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत समाहरणालय स्थित अपने कक्ष में आमजनों की समस्याएं सुनीं और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये। उपायुक्त के समक्ष लोगों ने उत्तराधिकार दाखिल खारिज, राशन कार्ड में सुधार, विद्यालय में नामांकन, लोहरदगा बाईपास पथ में रैयतों को अवार्ड मनी का भुगतान, म्युटेशन समेत अन्य मामले रखे। ज्ञातव्य हो कि प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार दोपहर एक बजे से उपायुक्त आमजनों मिलते हैं जहां कोई भी अपनी समस्या रख सकते हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त के प्रभार में सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा व आमजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

लातेहार(बिभा): उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण, जिला बाल कल्याण इकाई ,जिला बाल संरक्षण से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती रीना कुमारी ने माह अप्रैल में जिले में पंजीकृत बाल संरक्षण से संबंधित मामलों की जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल माह में कुल 21 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें बाल श्रम, बाल विवाह के, अपहरण (किडनैप), गुमशुदा बच्चों, पॉक्सो एक्ट तथा सीसीएल का मामला शामिल है ।बैठक में मिशन वात्सल्य व जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास, स्पॉन्सरशिप, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित बच्चों को आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना, भवन निर्माण कार्य एवं बच्चों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से आंगनबाड़ी केंद्रों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने केंद्रों के भवन, छत, शौचालय, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर विस्तृत जानकारी प्राप्त की ।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के अंदर जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर भवन की स्थिति, छत की मजबूती, बाथरूम की की उपलब्धता एवं उपयोगिता सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की वस्तुस्थिति की जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ।बैठक में बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित संचालित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए केंद्रों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है ।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी, बाल कल्याण समिति सदस्य, महिला पर्यवेक्षिका एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ के खिलाफ सड़क पर उतरी युवा कांग्रेस और एनएसयूआई

लोहरदगा(बिभा)। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर शुक्रवार को इंडियन यूथ कांग्रेस और नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया छात्र संघ लोहरदगा द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। युवा कांग्रेस जिला वरीय उपाध्यक्ष गुलाम जिलानी एवं इमरोज अंसारी, तथा ठरवकजिला अध्यक्ष मनौवर आलम के नेतृत्व में पावरगंज चौक पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एनटीए अध्यक्ष प्रदीप कुमार का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। युवा कांग्रेस जिला वरीय उपाध्यक्ष गुलाम जिलानी ने कहा कि हर बार परीक्षा में गड़बड़ी होने से मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और सरकार को इसका जवाब देना होगा। वहीं लोहरदगा युवा उपाध्यक्ष इमरोज अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह केवल पेपर लीक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य की हत्या है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनौवर आलम ने कहा कि एनटीए को विद्यार्थियों के साथ हो रहे खिलवाड़ का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों का शिक्षा व्यवस्था से विश्वास उठता जा रहा है और केंद्र सरकार को इस मामले में जवाबदेह बनना होगा। इस मौके पर आफताब अंसारी, अनिमा कुजूर, मनौव्वर आलम, सबिता कुमारी, आसिफ इमाम, फैयाज अंसारी, अरशद अयूब, अमजद खान, फारुख हुसैन, जाहिद अंसारी, आकिब अंसारी, रिजवान अंसारी, मुदस्सिर अंसारी, संदीप उरांव, मोबिन अंसारी, दीपेश उरांव, विक्की अंसारी, शमशाद अंसारी, शैलेश कुमार, तौसीफ अंसारी, राजा अंसारी, माज अंसारी, वशद आलम, तनवीर अंसारी, आर्यन भगत, साहिल, मुराद अंसारी, आसिफ अंसारी, फरहान, अनस इरफान, आदिल अर्श, ओवैस, तनवीर, अरमान, अमन, साहिल सहित अन्य मौजूद थे।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर फूटा जनाक्रोश

दो दिनों में चार मौतों से दहला हजारीबाग, ऑक्सीजन नहीं मिलने और लापरवाही के लगे आरोप

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल एक बार फिर अपनी बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में है। गुरुवार और शुक्रवार के बीच अस्पताल परिसर में हुई चार मौतों ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों तथा नर्सिंग स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। आरोप है कि समय पर ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने, इलाज में देरी तथा अस्पताल की अव्यवस्थित कार्यशैली के कारण मरीजों की जान चली गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और आक्रोश का माहौल बना रहा। परिजनों का कहना था कि अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कई वार्डों में आवश्यक संसाधनों की कमी है, वहीं मरीजों को समय पर चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल पा रही है। जानकारी के अनुसार मृतकों में हजारीबाग शहर के महावीर स्थान निवासी पवन कुमार अग्रवाल शामिल हैं, जिनकी मौत समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण होने का आरोप लगाया गया है। दूसरी मृतका कटकमसांडी प्रखंड के बंझिया गांव निवासी शोभा देवी, पति दीना यादव थीं। वहीं तीसरी मृतका शिवपुरी निवासी सरिता कुमारी, पति मनजीत कुमार बताई जा रही हैं। चौथी मौत एक अन्य व्यक्ति की हुई है,बताया जा रहा है कि शोभा देवी की मौत के बाद उनका नवजात शिशु भी गंभीर स्थिति में था। इस संवेदनशील मामले की जानकारी जैसे ही हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद को मिली, वे तत्काल अस्पताल पहुंचे। विधायक ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इस दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने विधायक के समक्ष स्वास्थ्य व्यवस्था की कई खामियां भी गिनाईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने तत्काल मानवीय पहल करते हुए मृतक शोभा देवी के नवजात शिशु को बेहतर इलाज के लिए अपने निजी खर्च पर क्षितिज अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार नवजात की हालत नाजुक बनी हुई थी, जिसके बाद उसे निजी अस्पताल रेफर किया गया।
विधायक ने न केवल तत्काल इलाज की व्यवस्था कराई, बल्कि बच्चे के आगे के संपूर्ण इलाज का खर्च भी स्वयं उठाने की बात कही। अस्पताल परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जिस अस्पताल में मरीजों को समय पर ऑक्सीजन तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हो, वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों पर आम लोगों का भरोसा लगातार कमजोर होता जा रहा है और यह बेहद चिंताजनक विषय है।
विधायक ने अस्पताल अधीक्षक एवं उपायुक्त से संबंधित चिकित्सकों से बातचीत कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।
घटना के बाद अस्पताल परिसर में भारी संख्या में लोग जुटे रहे। परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग की। कई लोगों ने कहा कि अस्पताल में संसाधनों की कमी, कर्मियों की उदासीनता और अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, लगातार सामने आ रहे आरोपों के बाद स्वास्थ्य विभाग भी हरकत में आ गया है। पूरे मामले की जांच की तैयारी शुरू कर दी गई है।

डीएमएफटी शासी परिषद की हुई बैठक, प्राप्त प्रस्ताव को किया गया अनुमोदित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक शुक्रवार 15 मई को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में माननीय विधायक डॉ रामेश्वर उराँव भी शामिल हुए। बैठक में उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने डीएमएफटी मद से जिला में संचालित हो रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी दी जिसमें जिला प्रशासन की ओर से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में दिया जा रहा प्रशिक्षण, नीट व जेईई की प्रवेश परीक्षा के लिए भी जिला के बच्चों को कोचिंग दिए जाने व क्रिकेट, एथलेटिक्स, कुश्ती के लिए प्रशिक्षको की व्यवस्था की जानकारी दी। बैठक में प्राप्त आवेदनों पर चर्चा हुई व सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक विधायक डॉ रामेश्वर उराँव, उपायुक्त संदीप कुमार मीना, वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, उप विकास आयुक्त के प्रभार में सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, सांसद के निजी सचिव आलोक साहू, माननीय विधायक के प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, डीएसपी मुख्यालय समीर तिर्की, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, डीएमएफटी प्रभारी पदाधिकारी अभिनीत सूरज, जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि व प्रभावित पंचायतों के मुखिया उपस्थित थे।

ओमेगा कप हजारीबाग टी-10 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारम्भ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के खेल प्रेमियों के लिए बहुप्रतीक्षित ओमेगा कप हजारीबाग टी-10 प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारम्भ शुक्रवार को अन्नदा स्कूल मैदान में हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन हजारीबाग महापौर अरविंद कुमार राणा, पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, ओमेगा ग्रुप ट्रस्ट के चेयरमेन विनय कुमार सिंह, वाइस चेयरमैन शादाब अंसारी, गणेश कुमार सीटू एवं बटेश्वर प्रसाद मेहता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। टूर्नामेंट का आयोजन ओमेगा ग्रुप ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मैदान में फ्लड्स लाइट और रंग-बिरंगी रोशनी और दर्शकों के उत्साह ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया। टूर्नामेंट के आयोजक सह ओमेगा ग्रुप के फाउंडर मेंबर शादाब अंसारी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना तथा हजारीबाग में क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है।उद्घाटन मैच अन्नदा कॉलेज बनाम ओमेगा पैंथर के बीच खेला गया। वहीं प्रथम दिन के अन्य मुकाबलों में आतिक्ष बजाज बनाम जेवियर टाइटन तथा एफसीसी बनाम प्लेयर्स 11 की टीमें आमने-सामने होंगी। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।महापौर अरविंद कुमार राणा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट जैसे आयोजन युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने ओमेगा ग्रुप ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हजारीबाग की खेल संस्कृति को नई पहचान मिलेगी।पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच देने की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ओमेगा कप जैसे आयोजन से जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आगे बढ़कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।
इस अवसर पर वार्ड नंबर 2 की वार्ड पार्षद निकहत यासमीन, फरजाना परवीन, सुकल्याण मोइत्रा, रिजवान अहमद, निजाम अंसारी, अजीम खान, शमीम एजाज, रुपाली कुमारी, शीला देवी, महेंद्र राम, समीम एजाज, अफरोज अख्तर, रेहान फैजल, संदीप कुमार, अरशद रजा, मोहम्मद हकीम सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

वट सावित्री पूजा आज, महिलाओं ने की जमकर खरीदारी

रिमझिम फुहारों के बीच पूजा की तैयारी में जुटीं महिलाएं, बाजारों में दिनभर रही चहल-पहल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु की कामना से जुड़े वट सावित्री पूजा को लेकर शुक्रवार को शहर के बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। मौसम के बदले मिजाज और रिमझिम बारिश के बावजूद महिलाओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। बड़ा बाजार, झंडा चौक, मटवारी और कोर्रा सहित कई अन्य क्षेत्र में सुबह से ही पूजा सामग्री और सुहाग पिटारी की खरीदारी के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ती रही। बारिश के बीच भी महिलाएं हाथों में छाता लिए पूजा की तैयारी में जुटी नजर आईं। किसी ने चूड़ी खरीदी तो कोई सिंदूर, बिंदी, आलता और साड़ी की दुकानों पर खरीदारी करती दिखीं। पूजा के लिए कच्चा सूत, पूजा की टोकरी, अगरबत्ती, बांस से बने पंखे और अन्य पूजन सामग्री की दुकानों पर भी अच्छी भीड़ रही। बाजारों में जगह-जगह अस्थायी दुकानें सजी थीं, जहां महिलाएं पूजा से जुड़ी आवश्यक सामग्री खरीदती नजर आईं।
रिमझिम बारिश के कारण कुछ देर के लिए बाजारों की रफ्तार जरूर धीमी पड़ी, लेकिन महिलाओं की आस्था के आगे मौसम भी फीका पड़ गया। मन में पूजा-अर्चना की प्रबल इच्छा लिए महिलाएं लगातार खरीदारी करती रहीं। बे मौसम हुई बारिश ने लोगों की परेशानियां तो बढ़ाईं, लेकिन आस्था पर पानी नहीं फेर सकी। फल और मिठाई की दुकानों पर भी दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। नारियल, केला, आम और अन्य पूजन सामग्री की मांग बढ़ी रही, वहीं पेड़ा और लड्डू की बिक्री में भी तेजी देखी गई। शाम होते-होते बाजारों में भीड़ और बढ़ गई, जिससे कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बनी रही। महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री पूजा केवल एक पर्व नहीं बल्कि पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य से जुड़ी आस्था का प्रतीक है। यही कारण है कि मौसम की बाधाओं के बावजूद महिलाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। व्यापारियों के अनुसार वट सावित्री पूजा को लेकर इस बार बाजार में अच्छी बिक्री हो रही है। पिछले दो दिनों से ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और देर शाम तक बाजारों में रौनक बनी हुई है।

सड़कों में तेज रफ्तार और अज्ञात वाहन का कहर, बाइक सवार युवक को टक्कर मार चालक फरार

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: जिले के लोहरदगा मुख्य मार्ग पर गुरुवार देर शाम को एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला ।सेन्हा थाना क्षेत्र के बरही के समीप अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया ।जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान रांची के गांगीटोली निवासी संतोष बड़ाइक के रूप में हुई है। बताया गया कि वह अपने निजी कार्य से लोहरदगा की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आई है ।हादसे में उसके दांत भी टूट गए ।घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया ।अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया इस दौरान डॉक्टरों ने बताया कि युवक के चेहरे पर गहरी चोट लगी है,लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी हालत स्थिर है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच आक्रोश देखा गया। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से फरार वाहन की पहचान कर कार्रवाई करने तथा मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है।

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्नफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्न कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्त्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दशार्या जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सकूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दशार्ता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

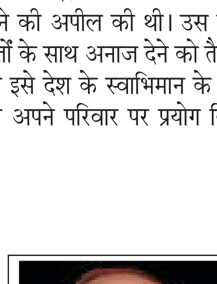
कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरूआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं–जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज–को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बढ़ी विमान ईंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एव्हिएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी ?

अमिताभ बच्चन के बाद रणबीर कपूर ने खरीद रामनगरी में जमीन

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणबीर कपूर ने भी अयोध्या में 2.42 करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है। रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदीं और एक का एग्रीमेंट कराया है। अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है। बताया गया है कि अभिनेता रणबीर के पॉवर ऑफ अटार्नी ने गुरुवार को 198.26 वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है। यह जमीन सरयू तट के तिहुरा माझा क्षेत्र में ली जा रही है। जमीन की कीमत दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये बताई गई है। लोढ़ा ग्रुप श्रीराम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर नई साइट डेवलप कर रहा है। लोढ़ा ग्रुप के साथ ही उसके आसपास भी लोग जमीन खरीद रहे हैं। उपायुक्त स्टाम्प योगेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में सेलिब्रिटीज का निवेश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनेता रणवीर कपूर के पॉवर ऑफ अटार्नी की ओर से गुरुवार को लोढ़ा ग्रुप के साथ जमीन का एग्रीमेंट कराया है। जमीन की रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी।

पहले ही कहा था...साइकिल से बेहतर कुछ नहीं, पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर अखिलेश का तंज

लखनऊ (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का

एलान किया है। इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार की घेराबंदी की है। अखिलेश ने एक्स पर ट्वीट किया, मैंने पहले ही कहा था...... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं। बता दें कि अखिलेश ने योगी मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे में हो रही देरी पर भी योगी सरकार को घेरा है। ट्वीट कर लिखा कि उप्र में मंत्रियों के नाम के बाद, अब क्या उनके विभागों की 'पर्ची' भी ऊपर से आएगी?

पंजाब में ईंधन मूल्य वृद्धि पर विपक्ष हमलावार, आम आदमी की कमर तोड़ने वाला फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने तीव्र राजनीतिक बहस शुरु कर दी है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलकर फैसले को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला और जनविरोधी बताया है। विपक्ष का आरोप है कि यह वृद्धि किसानों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक जरूरत की सभी चीजें महंगी होगी। पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने कदम को भाजपा का किसान-विरोधी और जनविरोधी चेहरा बेनकाब करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर ईंधन महंगा करती है और दूसरी तरफ धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सिर्फ 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करती है, जो किसानों की आय पर सीधा वार है। मान सरकार में मंत्री चीमा के अनुसार, एमएसपी बढ़ाकर तुरंत डीजल महंगा करने से किसानों का वाजिब मुआवजा छीना गया है। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार पर पाखंड का आरोप लगाकर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी वाहनों के कम इस्तेमाल, कार पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का उपदेश देते हैं, और दूसरी तरफ चुपचाप पेट्रोल-डीजल महंगा कर देते हैं। कांग्रेस नेता वडिंग ने सवाल किया, यही था उस नाटक के पीछे का असली खेल? उन्होंने चेतावनी दी कि इससे किसानों, ट्रक ऑपरेटरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर ज्यादा मार पड़ेगी, जिससे जरूरत की हर चीज फिर महंगी होगी और अबकी बार, पेट्रोल सौ के पार की स्थिति बनेगी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी बढ़ोतरी को कमरतोड़ बताकर कहा कि इससे पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इसकी मार झेलनी पड़ेगी, और 72 रुपये की मामूली एमएसपी वृद्धि से उन्हें कोई राहत नहीं मिलेगी।

उन्नाव रेप केस: सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला

था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले 29 दिसंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता। जस्टिस बागची ने भी इस दृष्टिकोण से सहमति जताकर कहा कि उच्च न्यायालय का यह जरूरत से ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण सही नहीं है। सीजेआई ने उच्च न्यायालय से इस बात पर भी फिर से विचार करने को कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) के तहत मुकदमा चलाने के लिए एक विधायक को लोक सेवक माना जा सकता है या नहीं।

दरअसल, 23 दिसंबर 2023 के अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंगर को पॉस्को एक्ट की धारा 5(सी) (एक लोक सेवक द्वारा यौन शोषण) के तहत दोषी ठहराया गया था, लेकिन एक चुना हुआ प्रतिनिधि भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंगर को जेल में ही रहना होगा और उच्च न्यायालय को मामले की फिर से विस्तृत सुनवाई करनी होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के

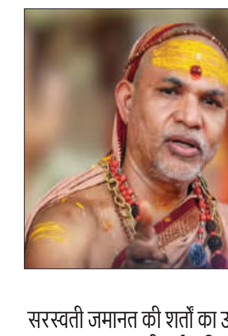

तहत दर्ज एक मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो याचिकाकर्ता के पास इस अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। इससे पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस अवमानना याचिका पर सुनवाई से स्वयं को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत को सौंप दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कई सभाएं कर रहे हैं और सार्वजनिक बयान दे रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है।

ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिंल प्रमुख बोले- फर्जी लोग घूमते रहते हैं

-बीसीआई ने लाइसेंस पर उठाए सवाल, जांच शुरू

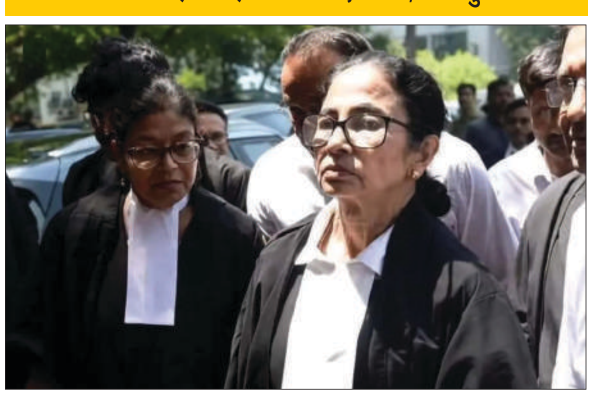

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले की पुष्टि करना आवश्यक है।

पूरा मामला 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका से शुरू हुआ। ममता बनर्जी वकील के काले कोट और सफेद बैंड में चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच के सामने पेश हुईं और अपनी पार्टी का पक्ष रखा। बीसीआई चेयरमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब वह आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पैरवी की।

इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी प्रैक्टिस के दर्जे की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। परिषद ने मुख्य रूप से उनके एनरोलमेंट नंबर, पंजीकरण की तारीख और वर्तमान स्टेटस की जानकारी तलब की है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया गया है कि चूंकि ममता बनर्जी 2011 से 2026 तक मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद पर रहीं, तो क्या उन्होंने इस अवधि के दौरान नियमों के तहत अपनी प्रैक्टिस निलंबित करने की आधिकारिक सूचना दी थी?

शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो ममता बनर्जी के पास जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री है। हालांकि, बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी भी लाभकारी या संवैधानिक पद पर रहने के दौरान वकालत का लाइसेंस निलंबित रखना अनिवार्य होता है। वर्तमान में बीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि क्या एक दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहने के बाद, बिना प्रक्रिया पूरी किए उनका सीधे वकील के रूप में कोर्ट में पेश होना वैध है या नहीं। राज्य बार काउंसिल की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कानूनी स्थिति साफ होगी।

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने खुद स्वीकार किया कि वर्तमान में देश की कई बसों का डिज़ाइन सुरक्षा के लिहाज़ से कमजोर है। हादसे के वक्त कई यात्री

बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी ग्लास और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इसतरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्राइवर की नींद पहचानने वाले सेंसर शामिल होगा। विशेष रूप से, नई स्लीपर बसों को केवल अधिकृत फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

बात दें कि हाल के महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बसों में आग लगने की कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में पार्किंग में खड़ी बसों में आग लगने से लेकर राजस्थान के उदयपुर में चलती स्लीपर बस का आग का गोला बन जाना, इन हादसों ने लोगों को झकझोर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, डीजल रिसाव, एसी सिस्टम में खराबी, अवैध गैस सिलेंडर और हाई-टेंशन तारों के संपर्क में आना बसों में आग लगने के प्रमुख कारण हैं। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इन कड़े सुरक्षा नियमों के लागू होने के बाद बस यात्राएं पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेंगी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

-संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।

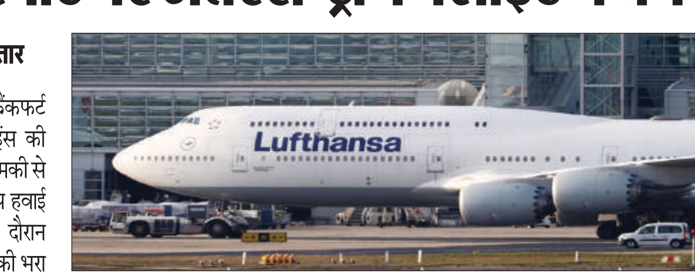

राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों और डॉग स्क्वायड द्वारा विमान की बारीकी से ली गई तलाशी में फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हैं।

इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकॉक जाने की तैयारी कर रहे सैयद इस्माइल अली नामक एक यात्री के सामान की जब सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगेज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तफ्तीश कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकॉक क्यों ले जाया जा रहा था।

श्रीलंका का मट्टाला एयरपोर्ट को लेकर भारत की बढ़ी सामरिक चिंताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका सरकार द्वारा दक्षिणी शहर हंबनटोटा के पास स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विदेशी निवेशकों को सौंपने की नई प्रक्रिया शुरू करने से भारत की चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले इस हवाईअड्डे की स्थिति चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के बेहद करीब है, जिसके चलते नई दिल्ली इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है। श्रीलंका सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से आगामी 9 जून तक एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए हैं। यह हवाईअड्डा 30 वर्षीय बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल के तहत निवेशकों को सौंपे जाने का प्रस्ताव है, जिसमें तय अवधि के बाद इसे पुनः श्रीलंका सरकार को वापस कर दिया जाएगा।

भारत लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों में चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर सतर्क रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह हंबनटोटा बंदरगाह का पुराना अनुभव है, जहां कर्ज न चुका पाने के कारण श्रीलंका ने 2017 में इस बंदरगाह को

99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। वर्ष 2013 में करीब 20.9 करोड़ डॉलर की लागत से बने मट्टाला हवाईअड्डे के लिए भी 19 करोड़ डॉलर का ऋण चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से लिया गया था। आधुनिक रनवे के बावजूद यह एयरपोर्ट कभी भी यात्री और एयरलाइन ट्रैफिक आकर्षित नहीं कर सका और अब तक इसे करीब 13 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो चुका है। ऐसे में यह आशंका गहरा गई है कि कहीं हंबनटोटा पोर्ट की तरह यह हवाईअड्डा भी अंततः चीन के हाथों में न चला जाए।

इससे पहले वर्ष 2024 में इस एयरपोर्ट को भारत और रूस के एक संयुक्त उपक्रम को 30 साल की लीज पर देने की योजना बनी थी, लेकिन कोलंबो में सत्ता परिवर्तन के बाद यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया। अब नई निवेश प्रक्रिया के तहत भारत के पास दोबारा मौका हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हंबनटोटा जैसे रणनीतिक क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की भागीदारी भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा रणनीति के लिहाज से एक बेहद महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया।

सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को ज्यादा समर्थन हासिल है। बताया जाता है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच इस विषय पर चर्चा हुई, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने अपना फैसला बदल लिया। एंटनी की राय के बाद राहुल गांधी भी सतीशन के नाम पर सहमत हो गए।

एके एंटनी का कांग्रेस संगठन में प्रभाव लंबे समय से कायम है। यूपीए सरकार के दौरान वह रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। केरल की राजनीति में भी उनका लंबा अनुभव रहा है और वह राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एंटनी की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी ÷एके एंटनी कमेटी÷ भी रही, जिसने पार्टी की हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

-दिल्ली की जेलों में अब जेल प्रशासन की मनमानी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें देरी होती है, तो जेल अधीक्षक को इसका ठोस कारण लिखित में दर्ज करना होगा। अब मौखिक आदेशों पर पार्सल नहीं रोके जा सकेंगे। यदि पार्सल में कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरंत जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स के संदेह की स्थिति में पार्सल का अनिवार्य रूप से एक्सरे स्कैन कराया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रशासन ने आदेश दिया है कि पार्सल में आने वाली हर छोटी-बड़ी वस्तु का विवरण कैदी संपत्ति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

एसआईआर कार्य एवं आवास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित, दिए गए दिशा-निर्देश

कार्य में लापरवाही बरतने पर होगी सख्त कार्रवाई : बीडीओ

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को एसआईआर कार्य एवं आवास योजना की समीक्षा को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया। बैठक में जनसेवक, पंचायत सचिव,ऑपरेटर एवं संबंधित कर्मियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने कहा कि एसआईआर से जुड़े कार्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पंचायत स्तर पर चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कर्मियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का सत्यापन करें तथा समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य योजनाओं एवं अभिलेखों को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है। ताकि जरूरतमंद लोगों तक सरकारी लाभ सही तरीके से पहुंच सकें। इसके लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता बेहद जरूरी है। बीडीओ ने कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की त्रुटि या फजीर्वाड़ा पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पंचायतवार प्रगति रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि कर्मियों नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करें और कार्यों को पारदर्शिता के साथ पूरा करें। वहीं आवास योजना की समीक्षा के दौरान बीडीओ ने स्पष्ट कहा कि जिन लाभुकों ने आवास निर्माण की राशि प्राप्त कर ली है। लेकिन अब तक घर निर्माण शुरू नहीं किया है या अधूरा छोड़ दिया है। उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को पक्का घर देने के उद्देश्य से राशि उपलब्ध करा रही है। ऐसे में योजना में लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। मौके पर निर्वाचन नोडल सूरज टुडू, जनसेवक सह बीएलओ सुपरवाइजर ओमप्रकाश साहा, बिसंभर दास, नुकुल कुमार, प्रेमनंदन चौड़े, सुनील कुमार, सिकंदर अली, उदय मंडल, शशि कपूर दुबे, विनोद कुमार, फूल कुमार टोप्पो, संतोष कुमार सुमन, सत्यनारायण रजवार, प्रेमचंद रजक, शिवराम मुर्मू, गिरिधारी मंडल, कम्प्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा सहित अन्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, पत्नी विधायक निसात आलम ने किया मुलाकात

तस्वीर सामने आने बाद फिर से मची झारखंड की राजनीति में हलचल

बिभा संवाददाता

बरहरवा। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह पूर्व मंत्री आलमगीर आलम व उनकी पत्नी पाकुड़ विधायक निसात आलम, झारखंड कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व गाणेय विधायक कल्पना सोरेन से शुक्रवार को रांची मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात किया। वहीं मुख्यमंत्री से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की मुलाकात की तस्वीर सामने आने के बाद झारखंड की राजनीति में फिर से हलचल पैदा हो गई है, हालांकि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से पूछने पर उन्होंने औपचारिक मुलाकात होने की बात कही लेकिन राजनीतिक गलियारों में ईस मुलाकात के बाद झारखंड की राजनीति में फिर से शुगबुगाहट पैदा हो गई है। विदीत हो कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से बिते दिनों जमानत मिली थी उनके रांची आवास पर झारखंड सरकार के कई मंत्री, विधायक, सांसद, झामुम और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना था वही आज शुक्रवार को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात किया इसके बाद से जितने भी राजनीतिक पंडित हैं इस तस्वीर के अलग-अलग मायने निकल रहे हैं आलमगीर आलम ने बताया कि मेडिकल चेकअप करवाने के बाद वह पाकुड़ अपने क्षेत्र जाएंगे वहां पर कार्यकताओं से मुलाकात करने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। वहीं अब सवाल उठता है कि क्या आलमगीर आलम झारखंड की राजनीति में फिर से सक्रिय होंगे उनके कार्यकताओं की मांग है की झारखंड की राजनीति में वह फिर से सक्रिय हो।

संक्षिप्त खबरें

कूड़ा उठाने के दौरान नप कर्मी को लगा करंट, हालत गंभीर

साहेबगंज (बिभा)। साहेबगंज नगर परिषद में सफाई कर्मी मनोज मलिक को बंगाली टोला में कूड़ा उठाने के दौरान करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद नगर परिषद कर्मियों ने उन्हें बेहोशी की हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका डॉ. डॉ. केशव कृष्णा ने प्राथमिक उपचार किया। मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद का ट्रैक्टर कचरा उठाने के लिए बंगाली टोला स्थित तिलकधारी कुआं के पास गया था। इसी दौरान कूड़ा उठाते समय कर्मी की कुदाल पास के बिजली पोल से सट गई, जिससे वहीं करंट की चपेट में आ गया और वह बेहोश हो गया। वहीं घायल सफाई कर्मी की पहचान झरना कॉलोनी निवासी मनोज मलिक (50) के रूप में हुई है, जो दैनिक भत्ता पर कार्यरत हैं। इधर सदर अस्पताल के डॉ. केशव कृष्णा ने बताया कि मनोज मलिक को गंभीर रूप से करंट लगा है और उनका इलाज फिलहाल चल रहा है।

उधवा में 16 मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण कार्य : बीडीओ

राधानगर/उधवा (बिभा)। भारत की जनगणना 2027 को लेकर उधवा प्रखंड प्रशासन की तैयारी तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार आगामी 16 मई से 15 जून तक पूरे प्रखंड क्षेत्र में मकान सूचीकरण कार्य चलाया जाएगा। इस दौरान घर-घर जाकर मकान एवं परिवार से संबंधित 34 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र की जाएगी। शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय में बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने सुपरवाइजर बाबूधन हेंब्रम एवं प्रगणक उदय कुमार मंडल को प्रमाण-पत्र देकर जिम्मेदारी सौंपी। प्रखंड में कुल 314 प्रगणक एवं 53 सुपरवाइजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है। बीडीओ ने सभी कर्मियों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर सहायक चार्ज पदाधिकारी सूरज टुडू सहित अन्य मौजूद थे।

आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, छानबीन में जुटी पुलिस

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर पंचायत अंतर्गत मियां टोला में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है। मामले को लेकर दोनों पक्षों के लोगों ने थाने में अलग-अलग आवेदन दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार एक पक्ष के नाजीमा बीवी ने पुलिस को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि बीते गुरुवार की शाम को फरहाद शेख,मोतीउर शेख,गुड्डू शेख,महमुद शेख,आजाद शेख,इद्रीश शेख एवं हैदर शेख एकजुट होकर मेरे घर के सामने आकर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि उनलोगों ने लाठी-डंडे से मारपीट कर पैकेट से तीस हजार रूपया निकाल लिया। इसी मामले में दूसरे पक्ष के नाजिया खातून ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि असराउल शेख, जहांगीर शेख,अजहारूल शेख,तनजीला बीवी,निसबा खातून एवं नजीमा बीवी एकजुट होकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट किया। आरोप है कि अजहारूल शेख ने उनके पति के दुकान से नगद 20-25 हजार रूपया निकाल लिया। इस संबंध में प्रभारी थाना प्रभारी पंकज दुबे ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है।

सांसद एवं विधायक ने पोषाहार टोकरी का किया वितरण एवं टीबी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना

चाईबासा (बिभा): जिला समाहरणालय सभागार में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति(दिशा) की बैठक हुई आयोजित। बैठक में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सांसद मैडम का चेस्ट एक्सरे किया गया एवं 5 टीबी मरीजों को डीएसडब्ल्यू के द्वारा गोद लेकर सांसद एवं विधायक ने पोषाहार टोकरी वितरण किया एवं टीबी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया इस बैठक में विधायक निरल पुरती, सुखराम उरांव, सोनाराम सिंकु, जगत माझी, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, चाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश, चक्रधरपुर अध्यक्ष सन्नी उरांव, उपायुक्त मनीष कुमार, डीडीसी उत्कर्ष कुमार समेत सिविल सर्जन डॉ जुझार मांझी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ आलोक रंजन महतो सभी प्रखंड प्रमुख, सभी विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

नीट पेपर लीक के विरोध में झामुमो ने फूंका केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला, कहा

ऐसी घटनाएं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज रेलवे स्टेशन चौक पर शुक्रवार को झामुमो ने कथित नीट परीक्षा पेपर लीक और परीक्षा में भारी गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। जिसका नेतृत्व नगर अध्यक्ष आदित्य यादव ने किया। इस दौरान कार्यकताओं व छात्रों ने केंद्र सरकार एवं भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट का पेपर लीक होना और बाद में परीक्षा रद्द होना केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था की पूरी विफलता को दशार्ता है। वही केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार प्रतियोगी परीक्षाएं भ्रष्टाचार, लापरवाही और पेपर माफियाओं की भेंट चढ़ रही हैं, जबकि सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है।भाजपा सरकार शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है। एक तरफ छात्र आत्मिक तनाव और भविष्य की चिंता से जूझ रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो झामुमो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा। वहीं प्रो. नजरुल इस्लाम ने कहा कि नीट का पेपर लीक होने के कारण लाखों युवाओं का भविष्य बिगड़ा गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक करवाया। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 22-23 लाख युवाओं ने वर्षो से नीट परीक्षा की तैयारी की थी। लेकिन आज उनका भविष्य बर्बाद कर दिया गया है। ऐसे युवा साथियों के साथ झामुमो का नैतिक समर्थन है। देश के प्रधानमंत्री लोगों को डीजल, पेट्रोल बचाने व सोना नहीं खरीदने की नसीहत दे रहे हैं। विदेश यात्रा से मना कर रहे हैं और खुद 5 देशों की यात्रा पर चले गए हैं। कहा पीएम अडानी अंबानी को पेट्रोल डीजल बचाने नहीं कह रहे हैं। आम लोगों के साथ ये कैसी राजनीति है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेंब्रम, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, राजू अंसारी, आकाश, नुमान अंसारी सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीडीओ सह सीओ ने साप्ताहिक हटिया के पास अतिक्रमण मुक्त कराया

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा-राधानगर मुख्य पथ स्थित फुदकीपुर सप्ताहिक हटिया के पास शुक्रवार को बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने अतिक्रमण मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार फुदकीपुर में प्रत्येक शुक्रवार को साप्ताहिक हटिया लगता है। इस दौरान मुख्य सड़क पर ही लोग खस्सी, बकरी आदि की खरीद-बिक्री करते है। जिससे राहगीर एवं चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। साथ ही मुख्य सड़क किनारे कई जगहों में ठेला व अन्य माध्यम से अतिक्रमण कर दुकान संचालित हो जाता है। इससे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस पर उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने फुदकीपुर स्थित सप्ताहिक हटिया पहुंचकर अतिक्रमण मुक्त कराया। इस दौरान बीडीओ सह सीओ ने कहा कि अनावश्यक जाम लगाने पर ठोस कार्रवाई की जाएगी। मौके पर राधानगर थाना पुलिस मौजूद थे।

दीवार से टकराते ही आग का गोला बनी स्कॉर्पियो, ड्राइवर समेत दो की बची जान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज-मिजाचौकी मुख्य सड़क के महादेवगंज में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे खड़ी बाइक से टकराई, फिर बिजली के पोल को धक्का मारते हुए एक मकान की दीवार से जा भिड़ी। वहीं टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का फ्यूल टैंक फट गया और देखते ही देखते स्कॉर्पियो आग की लपटों में घिर गई। वहीं घटना के दौरान वाहन में सवार ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति किसी तरह समय रहते बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई। वहीं हादसे के बाद घटना स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक स्कॉर्पियो पूरी तरह जल चुकी थी। वहीं आग में वाहन का अधिकांश हिस्सा राख हो गया, केवल इंजन और चेचिस ही बच पाया। जानकारी के अनुसार काले रंग की स्कॉर्पियो संख्या जेएच 18 पी 7042 महादेवगंज से साहेबगंज की ओर जा रही थी और घटना का शिकार हो गया। इधर मुफस्सिल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी में वाहन जयंती ग्राम निवासी मनीष मंडल का बताया जा रहा है।

गंगा में डूबा युवक, 24 घंटे बाद शव मिलने की आशंका

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज जिले के डीबीएल घाट के समीप गंगा नदी में एक युवक के डूब जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक की पहचान कटिहार जिले के अमदाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गोउगाची निवासी विकास कुमार (24 वर्ष) पिता महेंद्र मंडल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विकास अपने मौसी के घर महादेवगंज आया हुआ था। घटना की जानकारी देते हुए युवक के मौसा उदय मंडल ने बताया कि विकास शुक्रवार की सुबह पटना से महादेवगंज पहुंचा था। घर पहुंचने के बाद वह किसी काम का हवाला देकर करीब 11 बजे अपने घर जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे फोन के माध्यम से सूचना मिली कि विकास डीबीएल घाट के पास गंगा नदी में डूब गया है। इधर सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर युवक का बैग, मोबाइल और कपड़े नदी किनारे रखे मिले, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वह नहाने के दौरान गहरे पानी में चला गया। वहीं विकास कुमार के दोस्त दीपक कुमार ने बताया कि विकास दिल्ली से लौटने के दौरान अपने मौसा के घर रुका हुआ था। वह बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वे लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। इधर घटना की सूचना मिलते ही गंगा नदी थाना के एसआई लेनसन टोपनो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। वहीं जिला गोताखोर टीम के अशोक मंडल, बासदेव सिंह और दिलचन सिंह ने नदी में काफी देर तक डुबकी लगाकर युवक की तलाश की, लेकिन देर शाम तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी। गोताखोरों ने बताया कि गंगा नदी में तेज बहाव और गहराई के कारण खोजबीन में परेशानी हो रही है। उन्होंने आशंका जताई कि शव 24 घंटे के बाद ही पानी के ऊपर आ सकता है। फिलहाल पुलिस और गोताखोरों की टीम युवक की तलाश में जुटी हुई है।

जनगणना 2026 में ओबीसी कॉलम गायब होने पर भड़के विधायक प्रदीप यादव; केंद्र सरकार पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

रांची : विधायक प्रदीप यादव ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान जनगणना के पहले चरण में जो 33 बिंदुओं की सूची तैयार की गई है, उसमें ओबीसी समुदाय के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से फॉर्म के बिंदु संख्या 12 का जिक्र किया, जिसमें परिवार के मुखिया की श्रेणी पूछी गई है। विधायक का कहना है कि इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विकल्प तो दिए गए हैं, लेकिन पिछड़ी जातियों के लिए कोई स्पष्ट कॉलम न रखकर उन्हें 'अन्य' की श्रेणी में डाल दिया गया है। यह ओबीसी वर्ग की वास्तविक संख्या और स्थिति को छुपाने की एक साजिश प्रतीत होती है।

जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने इसे समाज का 'एक्स-रे' करार दिया। उन्होंने तर्क दिया कि आजादी के 75 वर्षों के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि विकास का लाभ किस जाति को कितना मिला। प्रदीप यादव के अनुसार, जब तक जातियों का सटीक डेटा सामने नहीं आएगा, तब तक पिछड़ी और वंचित जातियों के लिए सही नीतियां और बजट आवंटित करना संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस मांग से पीछे हटती है, तो राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पूरे देश में व्यापक आंदोलन छेड़ेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायक ने रक्क्ष (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्षी समर्थकों, विशेषकर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने का प्रयास कर रही है। झारखंड में इसे रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह सतर्क है और एक-एक बूथ पर बीएलओ-2 के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे हर प्रखंड में सक्रिय रहकर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी गरीब या लक्षित वर्ग का नाम मतदाता सूची से गायब न हो।

अंत में, उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई, विशेषकर पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में हुई भारी वृद्धि पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार जरूरी सूचनाएं साझा करने में मुंह चुरा रही है, और दूसरी तरफ आम जनता पर महंगाई का बोझ लाद रही है। 'तेल की किल्लत' और गैस के बढ़ते दामों ने मध्यम और निम्न वर्ग की कमर तोड़ दी है, जिससे जनता में भारी असंतोष है।

सीसीएल सुरक्षा दल ने की छापेमारी, 210 टन अवैध कोयला जब्त

बिभा संवाददाता

रामगढ़। जिले में सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के सुरक्षा दल ने कोयला चोरी एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को भुचुंगडीह गांव में क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी आशीष झा के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

सुरक्षा विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ असामाजिक तत्व और कोयला चोर सीसीएल रजरप्पा परियोजना और वाशरी रेलवे साइडिंग से कोयला चोरी कर उसे आसपास के जंगलों एवं झाड़ियों में छुपाकर भारी मात्रा में अवैध रूप से जमा कर रहे हैं।

सूचना के सत्यापन के बाद सुरक्षादल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चिन्हित स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान विभिन्न स्थानों से लगभग 210 टन अवैध कोयला बरामद किया गया। जब्त किए गए कोयले को विधिवत रजरप्पा परियोजना प्रबंधन को सौंप दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी आशीष झा ने कहा कि सीसीएल की संपत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और कोयला चोरी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और आमजनों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की कोयला चोरी, अवैध भंडारण या अवैध परिवहन जैसी गतिविधियों में शामिल न हों और न ही ऐसे कार्यों को बढ़ावा दें। यदि किसी भी व्यक्ति को कोयला चोरी या डीजल चोरी से संबंधित कोई सूचना प्राप्त होती है तो इसकी जानकारी तुरंत सीसीएल सुरक्षा विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

छापेमारी में वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक नकुल नायक, सुरक्षा निरीक्षक अजय कुमार राणा, सुरक्षा गार्ड दशरथ उरांव के अलावे 06 गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमार्क फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।

इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इजुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आठ' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उपविजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल–और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है।इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मास्टर्स चैंपियन बनने के बाद। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड के को–ओनर सर जिम रैटक्लिफ यूके में कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं। यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के को–ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07अरब पाउंड) के साथ मेजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी होने का अनुमान है। 51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेंबर के तौर पर मशहूर हुई थीं।

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

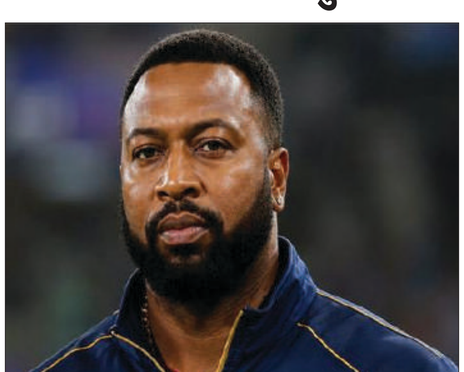

धर्मशाला ः मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की।।IPL ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है।यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया।पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुम्बई ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं।सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है।सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था।इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था।साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है।सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है।पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी।उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है।मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी।सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे।बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये।उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है।अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

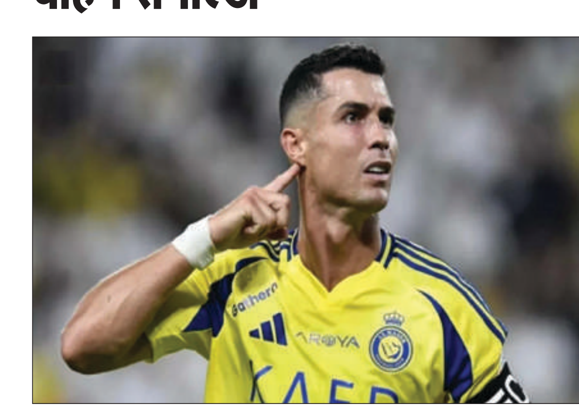

लिस्बन ।पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं।ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे।पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है।इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है।यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है।इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे।रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है।विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप–के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा।इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है।विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1–0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी।उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे।इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपुर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला ।आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है।इसके बाद भी टीम की सह–मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है।प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है।अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं।मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं।मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी–शर्ट बाँटकर उनका दिल जीता।सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की।यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।

खूँटी में पेट्रोल, पम्पों पर लगी लंबी कतारें, सीमित मात्रा में उपलब्ध हो रहे पैट्रोल डीजल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में पेट्रोल और डीजल का संकट गहराता जा रहा है। कई पेट्रोल पम्पों में ईंधन का स्टॉक काफी कम हो गया है, जिसके कारण कुछ पम्प बंद होने के कगार पर पहुँच गए हैं। स्थिति ऐसी है कि लोगों को लाइन में लगाकर पेट्रोल और डीजल लेना पड़ रहा है। वहीं ईंधन के दाम में भी बढ़ोतरी होने की चर्चा से आम लोगों की चिंता और बढ़ गई है। खूँटी जिले के विभिन्न पेट्रोल पम्पों में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी कमी देखी जा रही है। ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से

कई पम्पों में स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है। हालात को देखते हुए वाहन चालकों में अफरा-तफरी का माहौल है। सुबह से ही बाइक, कार और अन्य वाहनों की लंबी कतारें पेट्रोल पम्पों के बाहर देखने को मिल रही हैं। लोग इस आशंका में अधिक मात्रा में पेट्रोल और डीजल भरवा रहे हैं कि आने वाले दिनों में संकट और गहरा सकता है। वहीं दूसरी ओर, पेट्रोल सीमित मात्रा में लोगों को दिया जा रहा है। मोटरसाइकिल में तेल भरने वाले को 2 लीटर से अधिक तेल नहीं मिल रहा है वहीं कार में चार लीटर ही तेल मिल रहा है। वहीं प्रतिदिन चलनेवाली बसों व वाहनों पर डीजल तो मिल रही है पर जो लोग वाहन प्रतिदिन नहीं चलाते हैं उन्हें डीजल नहीं दिया जा रहा है अथवा विशेष होने पर कम मात्रा में डीजल दिया जारहा है। ताकि किसी को परेशानी न हो ।

खूँटी के पैट्रोल पम्प में 110 रुपए पैट्रोल बिक रहे हैं।

पैट्रोल की कीमत बढ़ने की खबरों ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए यह संकट अतिरिक्त बोझ बन गया है। पेट्रोल पम्प में तेल भरने वाले ने बताया कि पेट्रोल डीजल खत्म हो रहा है और कई नोजल बंद हो चुके हैं एक नोजल से ही पेट्रोल अथवा डीजल दे रहे हैं। अनुमान है या अभी जल्द खत्म हो जाएगा। इसलिए मोटरसाइकिल चालकों को पेट्रोल कम दे रहे हैं ताकि सभी को पेट्रोल की आपूर्ति कर सकें। वहीं पेट्रोल का दाम में भी बढ़ोतरी भी हो गई है।

पैट्रोल पम्प के वर्कर पेट्रोल पम्प संचालकों का कहना है कि सप्लाई बाधित होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। यदि जल्द पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध नहीं कराया गया तो जिले में परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। फिलहाल प्रशासन और संबंधित विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन आम लोगों को राहत मिलने का इंतजार है।

अर्जुन मुंडा के देशभक्ति गीत ने विद्यार्थियों में भरा जोश, लोगों ने जमकर सराहा

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा ने अपने प्रेरणादायक अंदाज से विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, नये दौर में लिख देंगे मिलकर नयी कहानी, हम हिंदुस्तानी गाकर विद्यार्थियों में नया उत्साह और ऊर्जा भर दी।

अर्जुन मुंडा ने केवल गीत ही नहीं गाया, बल्कि विद्यार्थियों को गीत की पंक्तियों को दोहराकर उसे आत्मसात करने के लिए भी प्रेरित किया। उनके साथ बड़ी संख्या में मौजूद विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ गीत गाया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल देशभक्ति के माहौल से गूंज उठा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और उन्हें

अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के महत्व को समझाते हुए देश निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने अर्जुन मुंडा के इस अलग अंदाज की खूब सराहना की। सोशल मीडिया पर भी उनके गीत का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने कहा कि गीत ने उनके भीतर देश के लिए कुछ करने की नई प्रेरणा जगाई ।

संक्षिप्त खबरें

जेएलकेएम का तमाड़ विधानसभा प्रधान कार्यालय का हुआ उदघाटन

तमाड़(बिभा). झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का तमाड़ विधानसभा प्रधान कार्यालय रायडीह तमाड़ फ्लाइ ओवर के समीप शुक्रवार को केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा दमयंती मुंडा, केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रेम मार्डी एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष बेबी देवी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया. उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष शंकर महतो, रामनाथ मांझी, अनूप कुमार महतो, नारद कुमार महतो, चन्द्रमोहन महतो, अरविंद कुमार महतो, घनश्याम महतो एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

मुण्डारी भाषा को खूँटी जिले में सूचीबद्ध करने की ओर ध्यान देना चाहिए: अर्जुन

खूँटी(बिभा) । झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खूंटी पहुंचे और शिक्षा जगत से जुड़े एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी जेटेट में क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं को शामिल किए जाने के बावजूद खूँटी जिले में मुण्डारी भाषा को सूची में स्थान नहीं मिलने पर सरकार का आईना बनने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुण्डारी भाषा को जेटेट में शामिल किये जाने को लेकर कहा कि राज्य सरकार को इन सारी चीजों पर ध्यान देना चाहिए और अगर उनका ध्यान नहीं है तो मैं भी सरकार को स्मरित कराउंगा कि सरकार इसपर विशेष ध्यान दे।

सऊदी अरब में सड़क हादसे में बोकारो के युवक की मौत

बोकारो(बिभा)। सऊदी अरब में हुए एक सड़क हादसे में बोकारो निवासी 24 वर्षीय युवक तसमीम अख्तर मोहम्मद ओवैस सरवर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार तसमीम अख्तर रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब में रह रहा था। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। हालांकि हादसा किस स्थान पर और किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आ सकी है। युवक के निधन की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों एवं परिचितों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

झारखंड उच्च न्यायालय में उठा पेट्रोल-डीजल का मुद्दा, वकीलों ने की ऑनलाइन सुनवाई की मांग

रांची(बिभा)। झारखंड उच्च न्यायालय में राजधानी रांची के कई पेट्रोल पंपों के ड्राई होने और पेट्रोल-डीजल को लेकर पंपों पर भारी भीड़ होने का मुद्दा उठाया गया। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ में दो अधिवक्ताओं शैलेश कुमार सिंह और वरीय अधिवक्ता एमएस मित्तल ने यह मुद्दा उठाया। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि राजधानी रांची में बीते कुछ दिनों से कई पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं और बंद हैं। वहीं कुछ पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश के लोगों से आह्वान किया है कि वे वर्क फ्रॉम होम काम कर सकते हैं। ऐसे में झारखंड उच्च न्यायालय की सुनवाई भी ऑनलाइन तरीके से की जाए तो बेहतर होगा। जिस पर खंडपीठ ने कहा कि पेट्रोल-डीजल को लेकर जो स्थितियां वर्तमान में राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में दिख रही है, इससे वे भी अवगत हैं। अधिवक्ताओं के अनुरोध पर उन्होंने कहा कि इस विषय को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के संज्ञान में लाने का प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने अधिवक्ताओं को कहा कि ऑनलाइन कोर्ट चलाने के संदर्भ में वह चीफ जस्टिस के पास वे अपनी बात रखें। राज्य में पेट्रोल-डीजल की गंभीर किल्लत के बीच झारखंड उच्च न्यायालय एडवोकेट्स एसोसिएशन ने भी सप्ताह में एक दिन अनिवार्य वर्चुअल कोर्ट संचालन की मांग की है। एसोसिएशन ने झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर प्रशासनिक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि सप्ताह में एक दिन जैसे सोमवार को मैंडेटरी वर्चुअल डे घोषित किया जाए, जिसमें उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतों में केवल वर्चुअल सुनवाई हो। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि झारखंड उच्च न्यायालय पहले से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं से लैस है। वर्ष 2020 के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों के तहत इस व्यवस्था को आसानी से लागू किया जा सकता है। एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि राज्य में ईंधन आपूर्ति सामान्य होने और अदालतों के 08 जून 2026 को पुनः खुलने तक सप्ताह में एक दिन वर्चुअल कोर्ट संचालन का निर्देश जारी किया जाए। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की सुबह 06 बजे से ही राजधानी रांची के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल लेने के लिए वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली। लोग बोतल और गैलन में भी अपनी आवश्यकताओं के लिए पेट्रोल लेते पाए गए।

उपायुक्त ने नारी अदालत योजना प्रारम्भ करने को लेकर जिला स्तरीय बैठक कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

खूंटी । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में नारी अदालत योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के उद्देश्य, कार्यान्वयन ढांचा, लक्षित लाभार्थियों एवं अपेक्षित परिणामों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान बताया गया कि नारी अदालत योजना का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं को सुलभ एवं वैकल्पिक शिकायत निवारण मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज, भरण-पोषण, संपत्ति एवं पारिवारिक विवाद जैसे मामलों का समाधान स्थानीय स्तर पर आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से किया जा सके।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नारी अदालत के गठन के लिए खूँटी जिले के अड़की प्रखंड के सिंदरी पंचायत का चयन हुआ है, उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को सिंदरी पंचायत में नारी अदालत का गठन करने का निर्देश दिया। जिसका मुख्य उद्देश्य घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न समेत अन्य महिलाओं से संबंधित मामलों का पंचायत स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। उपायुक्त ने नारी अदालत योजना की चयन प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को न्याय तक पहुंच बनाने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नारी अदालत योजना महिलाओं को जागरूक करने, उनके अधिकारों की जानकारी देने एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक में योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर 7 से 11 सदस्यीय महिला समूह के गठन, न्याय सखियों के चयन, मुख्य न्याय सखी की जिम्मेदारियों एवं कार्यकाल सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के प्रभावी संचालन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि नारी अदालत के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान की वृद्धि होगी तथा महिला अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही घरेलू हिंसा एवं लैंगिक आधारित हिंसा से जुड़े मामलों में पीड़ित महिलाओं को स्थानीय स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सगे भाई ने जीजा की हत्या कर बहन के सुहाग और मांग का सिंदूर उजाड़ा बहन पर भी किया जानलेवा हमला

बिभा संवाददता

खूँटी । राँची जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहाँ भाई अपनी बहन का सुहाग के लिए एड़ी-चोटी एक कर देत हैं। वहीं भाई ने ही बहन का सुहाग आज उजाड़ दिया। जो कि खूँटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र के बेलसिया गढ़ निवासी गजेन्द्र सिंह को उसके साला ने दऊली से प्रहार कर और पत्थर से कूचकर बेरहमी से हत्या कर दी। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि हत्या का आरोपी पहले भी हाफ मर्डर मामले में जेल जा चुका है। बताया जा रहा है कि गजेंद्र सिंह गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ तमाड़ के नीचे टोली गाँव स्थित अपने ससुराल आए हुए थे। जानकारी के मुताबिक गुरुवार शाम से ही घर में विवाद शुरू हो गया था. आरोपी भूपेश खंडित ने घर के सभी बर्तन अपने कमरे में रख लिए थे और परिवार वालों से कहा था कि खाना नहीं बनेगा और सभी लोग वापस चले जाएं. इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे भोजन बनाने के लिए भूपेश खंडित द्वारा छिपाए गये बर्तन को मांगने के से बढ़े विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। जब आरोपी की छोटी बहन ने उससे बर्तन मांगा और कहा कि दीदी-जीजाजी आए हैं, खाना बनाना है और पानी भी भरना है। इसी बात पर भूपेश खंडित गुस्से से आगबबूला हो गया। आरोप है कि भूपेश ने दऊली से अपने जीजा गजेंद्र सिंह पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. और फिर बड़े पत्थर से

कुचलकर उनकी हत्या कर दी. घटना घर के आंगन में हुई. वहीं जब परिवार के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया. जिसमें उसकी छोटी बहन को हल्की चोट आई है. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घर के एक कमरे में जाकर छिप गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया. गांव वालों की सूचना पर तमाड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मोदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. जिसके बाद कमरे का दरवाजा खुलवाकर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया. घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची से एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की. पुलिस पूछताछ में मृतक की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों ने भूपेश खंडित पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जाँच में जुटी हुई है। तमाड़ में इस हत्याकांड का मामला न केवल चर्चा का विषय है। बल्कि पूरा गाँव भूपेश के इस कृत्य पर घृणा कर रहा है। जिसने अपने बहन के मांग का सिंदूर छीन लिया। ऐसा भाई का रिस्ता जब अपनी बहन के लिए अपना नहीं हुआ तो समाज व गाँव के लिए क्या होगा । वहीं बेलसिया गढ़ गाँव में इस घटना के बाद मातम का माहौल है।

अवैध खनन एवं परिवहन पर किसी भी स्थिति पर लगे रोक : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटीः समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने वृहस्पतिवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक की। बैठक में गत अवधि के दौरान जिले में खनिज पदार्थों के अवैध खनन एवं अवैध परिवहन की रोकथाम को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करें तथा अवैध खनन स्थलों को चिन्हित कर संयुक्त रूप से कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला खनन टास्क फोर्स टीम आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखे।

उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध खनन एवं अवैध परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर पूर्णतया रोक लगाने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाए।

उपायुक्त ने कहा कि आमजनों को बालू की उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम नागरिकों को आसानी से बालू उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए तथा इस संबंध में उत्पन्न समस्याओं का समाधान ग्रामसभा के माध्यम से भी किया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री ऋषभ गर्ग ने सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए नियमित जांच अभियान चलाने, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने एवं अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आगामी रविवार को गायत्री मंदिर में रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

खूँटी। मानव सेवा और जनकल्याण की भावना को लेकर अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 17 मई को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से थाना के सामने मुख्य पथ स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ परिसर में आयोजित होगा। गायत्री परिवार की व्यूटी मिश्रा ने बतायी कि संस्था की ओर से समस्त श्रद्धालु परिजनों, युवाओं एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों को नया जीवन देने का महान माध्यम है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। गायत्री परिवार के सदस्यों ने लोगों से मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने तथा अपने मित्रों, परिजनों और परिचितों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया है।

जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

खूंटीः समाहरणालय स्थित सभागार में आज जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद, खूंटी की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निदेशार्नुसार उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप द्वारा बैठक की अध्यक्षता की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण एवं पर्यटकों हेतु आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुँच पथ, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल,

शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी सुविधाओं को सुदृढ़ करने को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। साथ ही पर्यटन स्थलों के समुचित प्रचार-प्रसार एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पर्यटन को रोजगार से जोड़ने की दिशा में कार्य करने को कहा गया। इस दौरान उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने कई आवश्यक सुझाव एवं प्रस्ताव भी दिए।

संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटन स्थलों पर आगंतुकों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं तथा पर्यटन क्षेत्र के विकास हेतु विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना प्राथमिकता है।

बैठक में जिला खेल पदाधिकारी-सह-जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मांडर टोल प्लाजा पर फिर झटका, एक महीने में दूसरी बार बढ़ा टैक्स

बिभा संवाददाता

मांडर : रांची-गुमला मार्ग पर सफर करने वाले वाहन चालकों को फिर बड़ा झटका लगा है। मांडर टोल प्लाजा पर एक महीने के अंदर दूसरी बार टोल टैक्स बढ़ा दिया गया है। पहले 1 अप्रैल को प्रति वाहन 5 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी, और अब 1 मई से फिर टोल दरों में भारी इजाफा कर दिया गया है। इस बार बढ़ोतरी इतनी ज्यादा है कि अलग-अलग वाहनों पर 40 रुपये से लेकर 275 रुपये तक अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इस फैसले के बाद रोज इस रास्ते से आने-जाने वाले लोगों, ट्रांसपोर्टरों और व्यवसायियों में नाराजगी बढ़ने लगी है। लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ते टोल टैक्स से सफर करना अब जेब पर भारी पड़ने लगा है।

कार, जीप और वैन वालों को भी बड़ा झटका

मांडर टोल प्लाजा के मैनेजर अभिषेक साहू के मुताबिक, कार, जीप, वैन और दूसरे हल्के निजी वाहनों के लिए पहले सिंगल जर्नी का टोल 80 रुपये था, जो अब बढ़कर 120 रुपये हो गया है। यानी सीधे 40 रुपये की बढ़ोतरी। वहीं, उसी दिन वापसी यानी सेम डे रिटर्न जर्नी के लिए पहले 115 रुपये देने पड़ते थे, अब इसके लिए 180 रुपये चुकाने होंगे।

कमर्शियल वाहनों पर और ज्यादा असर

कमर्शियल वाहन और लाइट गुड्स व्हीकल के लिए भी टोल दरों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां सिंगल जर्नी के लिए 125 रुपये लगते थे, अब 195 रुपये देने होंगे। वहीं रिटर्न जर्नी का शुल्क 190 रुपये से बढ़ाकर 290 रुपये कर दिया गया है। बस और ट्रक ऑपरेटरों के लिए भी यह बढ़ोतरी कम नहीं है। पहले सिंगल ट्रिप के लिए 265 रुपये लगते थे, अब 405 रुपये देने होंगे। सेम डे रिटर्न का शुल्क 395 रुपये से बढ़कर 610 रुपये हो गया है।

बड़े वाहनों पर सबसे ज्यादा मार

थ्री एक्सल कमर्शियल व्हीकल के लिए सिंगल जर्नी का शुल्क 285 रुपये से बढ़ाकर 445 रुपये कर दिया गया है, जबकि रिटर्न जर्नी 430 रुपये से बढ़कर 665 रुपये पहुंच गई है। चार से छह एक्सल वाले भारी वाहनों के लिए पहले सिंगल ट्रिप 410 रुपये में होती थी, अब इसके लिए 635 रुपये देने होंगे। वहीं रिटर्न जर्नी का शुल्क 620 रुपये से बढ़कर 955 रुपये हो गया है। ओवरसाइज वाहनों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। पहले जहां सिंगल जर्नी के लिए 500 रुपये लगते थे, अब 775 रुपये देने होंगे। सेम डे रिटर्न जर्नी का शुल्क 755 रुपये से बढ़कर 1165 रुपये हो गया है। सिर्फ एक बार गुजरने वाले वाहन ही नहीं, बल्कि रोज इस रूट का इस्तेमाल करने वाले लोगों को भी झटका लगा है। सभी तरह के वाहनों के मासिक पास की दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। इससे नौकरी, कारोबार या ट्रांसपोर्ट के लिए रोज इस मार्ग से गुजरने वालों का खर्च और बढ़ेगा।

अब पूरी तरह फास्टैग पर चलेगा सिस्टम

टोल प्लाजा पर अब भुगतान व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव किया गया है। 1 मई से 100 फीसदी फास्टैग ऑटोमेटिक लेन-देन लागू कर दिया गया है। अब वाहन नंबर डालकर मैनुअल भुगतान की सुविधा बंद कर दी गई है। टोल प्रबंधन का कहना है कि यह व्यवस्था ट्रैफिक को सुचारू बनाने और भुगतान प्रक्रिया तेज करने के लिए लागू की गई है। मांडर टोल ही नहीं, रांची-गुमला मार्ग के पतराचौली टोल प्लाजा पर भी दरों में बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में इस रूट पर सफर करने वाले वाहन मालिकों को अब पहले से ज्यादा खर्च उठाना पड़ेगा।

झारखंड चेंबर और कर्नाटक के बल्लारी चेंबर के बीच हुआ एमओयू

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और बल्लारी डिस्ट्रिक्ट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कर्नाटक के बीच व्यापार एवं निवेश संभावनाओं को लेकर शुक्रवार को चेंबर भवन में संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में झारखंड सरकार के उद्योग सचिव अरवा राजकमल और उद्योग निदेशक विशाल सागर भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान झारखंड और कर्नाटक के उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों के बीच बिजनेस आइडिया, निवेश अवसर, औद्योगिक सहयोग और व्यापार विस्तार को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने भविष्य में आपसी समन्वय के साथ उद्योगों के विकास के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

बैठक में चेंबर महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि यह बैठक उद्योग, निवेश, पर्यटन और व्यापारिक सहयोग के नए अध्याय की शुरूआत है। झारखंड और कर्नाटक के उद्यमियों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से व्यापारिक सहयोग को नई गति मिलेगी और भविष्य में संयुक्त बिजनेस डेलिगेशन, बी2बी बैठकें एवं निवेश गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा।

झारखंड चेंबर निवेशकों को हर स्तर पर देगा सहयोग : चेंबर अध्यक्ष

झारखंड चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड और बल्लारी दोनों ही राज्यों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड तेजी से औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य की टेक्सटाइल पॉलिसी आकर्षक है और नई इंडस्ट्री पॉलिसी जल्द आने वाली है, जो निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज से भरापूरा राज्य है, जहां लिथियम, मैंगनीज, बॉक्साइट सहित कई खनिज उपलब्ध हैं। राज्य पावर सरप्लस है और यहां कुशल श्रमबल की कोई कमी नहीं है। मसाला, सब्जी, कॉटन, राइस मिल, रियल एस्टेट और एक्सपोर्ट सेक्टर में भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि उद्योग विभाग और झारखंड चेंबर निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग देगा।

वहीं उद्योग निदेशक विशाल सागर ने कर्नाटक के उद्यमियों का स्वागत करते हुए झारखंड में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्य में निवेश की अपार संभावनाओं पर बल देते हुए कहा कि राज्य में फूड प्रोसेसिंग, टूरिज्म और एग्रीकल्चर सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उद्योग विभाग निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने के लिए सदैव उपलब्ध है।

वहीं उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि झारखंड उद्योगों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। हमारे राज्य की औद्योगिक इकाइयां राज्य की औद्योगिक क्षमता को दर्शाती हैं।

बल्लारी डिस्ट्रिक्ट चेंबर के अध्यक्ष अव्वरु मंजूनाथ ने बल्लारी में निवेश की संभावनाओं पर अपनी बात रखते हुए झारखंड के उद्यमियों को कर्नाटक में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बल्लारी चेंबर के पदाधिकारियों ने बेंगलुरु में आयोजित होने वाले एमएसएमई कॉन्क्लेव में झारखंड चेंबर को आमंत्रित किया।

बैठक के दौरान दोनों राज्यों के उद्यमियों और व्यापारियों ने अपने-अपने व्यवसाय का परिचय देते हुए आइडिया एक्सचेंज किया।

बैठक में धार्मिक एवं कन्वेंशनल टूरिज्म, बिजनेस डेवलपमेंट अवसर, बलारी के स्पंज आयरन यूनिट्स एवं अन्य उद्योगों के लिए कोल सप्लाई, झारखंड के व्यापारियों के लिए कॉटन एवं मिर्ची सप्लाई, झारखंड में उत्पादित कृषि उत्पादों की कर्नाटक में आपूर्ति और रेडीमेड जींस सप्लाई जैसे विषयों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में एक-दूसरे को सहयोग देने पर सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स और बल्लारी डिस्ट्रिक्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए।

बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, तुलसी पटेल, जी ईनाथा रेड्डी, के रामंजनेयालु सहित अन्य, उपस्थित थे।

रांची में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की समीक्षा, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पोर्टल पर नियमित अपडेट के निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। सदर अस्पताल रांची स्थित सिविल सर्जन कार्यालय में शुक्रवार को एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम और आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (एईबीएएस) पोर्टल के संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने की। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति, पोर्टल अपडेट की स्थिति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को कार्यक्रम को और प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनीमिया नियंत्रण केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर सामाजिक विषय है, जिस पर सभी संबंधित विभागों और स्वास्थ्य कर्मियों को समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

डॉ. प्रभात कुमार ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति और संबंधित विवरण एईबीएएस पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट किए जाएं। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर सही और समयबद्ध जानकारी अपलोड होने से वेतन भुगतान, प्रशासनिक कार्यों और विभागीय निगरानी में पारदर्शिता बनी रहती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में एनीमिया नियंत्रण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सिविल सर्जन ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में एनीमिया की समस्या को कम करने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी जागरूकता अभियान और आयरन सप्लीमेंट वितरण कार्यक्रम को गंभीरता के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

डॉ. प्रभात कुमार ने एनीमिया से संबंधित आंकड़ों की नियमित मॉनिटरिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर समय पर डेटा अपलोड किया जाए, क्योंकि स्वास्थ्य योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सही आकलन सटीक आंकड़ों के आधार पर ही संभव है।

इसके अलावा बैठक में आरआई माइक्रोप्लान जल्द जमा करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि एएमबी डैशबोर्ड पर सूचनाएं समय पर अपडेट हो सकें और राज्य स्तर पर निगरानी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक श्वेता वर्मा, यूनिसेफ की प्रतिनिधि अन्नपूर्णा, एविडेंस एक्शन के नीरज सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक और संबंधित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। बैठक के दौरान विभिन्न प्रखंडों से आए अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों पर चर्चा की।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिक स्वास्थ्य योजनाओं में शामिल है। इसके तहत महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में खून की कमी की समस्या को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, तो एनीमिया जैसी गंभीर समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

आसनसोल मंडल ने स्वच्छता जागरूकता अभियान संपन्न, यात्रियों को स्वच्छता अभियान के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया

बिहान भारत

आसनसोलः भारतीय रेलवे की 173वीं वर्षगांठ और रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 15 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक ह्लस्वच्छ रेल झ स्वच्छ भारतह्व विषय के तहत आयोजित एक महीने लंबे स्वच्छता जागरूकता अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

इस अभियान का समन्वय पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन (ईएनएचएम) विभाग द्वारा वाणिज्यिक और चिकित्सा विभागों के साथ गहन समन्वय में किया गया, जिसमें परिचालन, इंजीनियरिंग, यांत्रिक, विद्युत और रेलवे सुरक्षा बल विभागों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उक्त अभियान के तहत अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने पूरे मंडल में स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों और सेवा प्रतिष्ठानों में एक गहन जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया।

इस अभियान की एक प्रमुख विशेषता भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों और आसनसोल मंडल से जुड़े स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी थी। स्टेशनों पर और ट्रेनों के अंदर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने यात्रियों के साथ सीधे बातचीत की और स्वच्छता, कचरे के उचित निपटान, व्यक्तिगत स्वच्छता और यात्री सुविधाओं के ज़िम्मेदार उपयोग के संदेश फैलाए।

यात्रियों को निर्धारित कूड़ेदानों का उपयोग करने, कचरा न फैलाने, खुले स्थानों पर थूकने से बचने और रेलवे परिसर को स्वच्छ और स्वास्थ्यकर बनाए रखने में मदद करने के प्रति जागरूक किया गया। गीले और सूखे कचरे को अलग करने के लिए दोहरे कूड़ेदानों के उपयोग, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से बचने और प्लास्टिक की खपत को कम करने पर विशेष जोर दिया गया।

यात्रियों का ध्यान आकर्षित करने और जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मंडल ने स्टेशनों और ट्रेनों में नुक्कड़ नाटक, रैलियां, सार्वजनिक घोषणाएँ, सेल्फी बूथ और जागरूकता स्टैंडी आयोजित किए। स्वच्छता और कचरे के ज़िम्मेदार प्रबंधन पर मुख्य संदेशों को सुदृढ़ करने के लिए पोस्टर, बैनर और डिजिटल डिस्प्ले का भी व्यापक रूप से उपयोग किया गया, जबकि चिकित्सा विभाग ने स्वच्छता, रोग निवारण और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया।

श्री संग्रह मौर्य, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने संबंधित शाखा अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न स्टेशनों एवं ट्रेनों का निरीक्षण कर यात्रियों से सीधे संवाद किया। इस दौरान यात्रियों को बायो-टॉयलेट के सही उपयोग, निर्धारित कूड़ेदानों में कचरा डालने तथा रेलवे पटरियों एवं स्टेशन परिसरों में कचरा न फेंकने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

यात्रियों से मिले जबरदस्त फीडबैक से उत्साहित होकर आसनसोल मंडल इस पहल का दूसरा चरण 16 मई से 30 मई, 2026 तक "Spot It, Report It, We Are On It" (इसे देखें, इसकी रिपोर्ट करें, हम इस पर काम करेंगे) बैनर के तहत शुरू करेगा। इस यात्री-केंद्रित पहल के तहत रेल यात्री स्टेशन परिसर के भीतर किसी भी गंदी जगह की साफ फोटो RailMadad ऐप पर अपलोड करके या #ERChallenge हैशटैग का इस्तेमाल करके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल @DrmAsansol पर पोस्ट करके उसकी रिपोर्ट कर सकते हैं। संबंधित रेलवे टीमें, जहाँ भी परिचालन की दृष्टि से संभव होगा, 30 मिनट के भीतर सुधारात्मक कार्रवाई करने का प्रयास करेंगी।

इस अभियान का सफल समापन और इस तकनीक-आधारित पहल की शुरूआत स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने और इस प्रयास में जनभागीदारी को मजबूत करने के लिए आसनसोल मंडल के लगातार प्रयासों को दशार्ती है।

आसनसोल मंडल सभी यात्रियों और रेल उपयोगकताओं से अपील करता है कि वे बायो-टॉयलेट का सही इस्तेमाल करके, कूड़ा केवल निर्धारित डस्टबिन में डालकर, गंदगी फैलाने और थूकने से बचकर, तथा स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे ट्रैक को साफ रखने में मदद करके इस अभियान का समर्थन जारी रखें। मिलकर किए गए ये सामूहिक प्रयास एक स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक यात्री-अनुकूल रेलवे प्रणाली बनाने में योगदान देंगे।

सदर अस्पताल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त (डीसी) रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल जिले का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान फामेर्सी में दवाओं की अनियमितता पाए जाने पर डिस्पेंसरी प्रभारी को शो-कॉज नोटिस जारी करने और अगले आदेश तक वेतन रोकने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान वार्ड, इमरजेंसी, फामेर्सी, किचन और ड्राई क्लीन क्षेत्र का निरीक्षण किया। मरीजों से बातचीत कर समस्याएं सुनीं। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित केयर टेकर को शो-कॉज करें। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना अस्पताल की जिम्मेदारी है।

उपायुक्त ने कहा कि किचन को पूर्ण रूप से स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए। मौके पर उपायुक्ती ने ओपीडी में इलाज कराने आई दो महिला मरीजों ने शिकायत की कि डॉक्टरों की ओर से लिखी गई दवाएं डिस्पेंसरी में उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। शिकायत मिलने पर उपायुक्त स्वयं फामेर्सी पहुंचे और जांच की। जांच में कुछ दवाएं उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को नहीं दिए जाने की बात सामने आई। इस पर उन्होंने सख्त नाराजगी जताते हुए फामेर्सी में दवाओं की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई करने के तहत डिस्पेंसरी प्रभारी को शो-कॉज जारी कर वेतन रोकने का निर्देश दिया।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को लेकर 17 मई को रांची में निषेधाज्ञा लागू

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर रांची जिला प्रशासन ने सख्त तैयारी की है। परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदर अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत राजधानी में बनाए गए 64 परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू की है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजुनाथ भजन्त्री के निर्देश पर यह आदेश 17 मई की सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक प्रभावी रहेगा। आदेश के तहत निषेधाज्ञा लागू होनेवाले रांची जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों सहित 64 परीक्षा केंद्रों में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, हथियार या लाठी-डंडा लेकर चलने तथा किसी प्रकार की सभा या प्रदर्शन पर रोक रहेगी। सरकारी कार्य में लगे कर्मियों और अधिकारियों को इससे छूट दी गई है। उपायुक्त के निर्देश पर सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन ने आशंका जताई है कि असामाजिक तत्व परीक्षा के दौरान भीड़ जुटाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

लातेहार। जिले में दो अलग-अलग स्थान पर हुए आकाशीय बिजली की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लातेहार सदर थाना क्षेत्र के रेहल गांव निवासी नरेंद्र उरांव (40) तथा मनिका थाना क्षेत्र के कुई गांव निवासी चंदन यादव (42) शामिल है। आकाशीय बिजली की पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के रेहल गांव में घटी। यहां शुक्रवार को अचानक जोरदार बारिश होने लगी थी। नरेंद्र उरांव अपने घर में ही बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं , आकाशीय बिजली की दूसरी घटना मनिका थाना क्षेत्र के कुई गांव में घटी। यहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चंदन यादव की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया।

ऑपरेशन 30-मिनट स्पार्कल : पूर्व रेलवे ने सभी मंडलों में त्वरित-प्रतिक्रिया सफाई अभियान शुरू किया

बिहान भारत

कोलकाताः पूर्व रेलवे लाखों यात्रियों के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण को साकार करने जा रहा है। कल, 16 मई, 2026 को दोपहर 12:00 बजे, पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर, बहुप्रतीक्षित स्वच्छता अभियान के दूसरे चरण का आधिकारिक रूप से शुभारंभ करेंगे, जिसका शीर्षक है ४रिपोर्ट करने के 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी४। यह भव्य शुभारंभ समारोह ऐतिहासिक सियालदह रेलवे स्टेशन पर होगा, जो 30 मई तक चलने वाले उच्च-तीव्रता वाले सफाई अभियान की शुरूआत का प्रतीक है। यह पहल केवल एक नियमित अभियान नहीं है, बल्कि रेलवे द्वारा अपने यात्रियों के साथ संवाद करने के तरीके में एक मौलिक बदलाव है, जिसमें वास्तविक समय की स्वच्छता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी गई है। जहाँ मुख्य उद्घाटन समारोह सियालदह स्टेशन पर आयोजित होगा, वहीं हावड़ा स्टेशन पर अपर महाप्रबंधक श्री शीलेंद्र प्रताप सिंह एक समानांतर उद्घाटन समारोह का नेतृत्व करेंगे। यह 30-मिनट की गारंटी हर नागरिक से किया गया एक वादा है कि उनकी यात्रा महत्वपूर्ण है, और पूरे नेटवर्क में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।

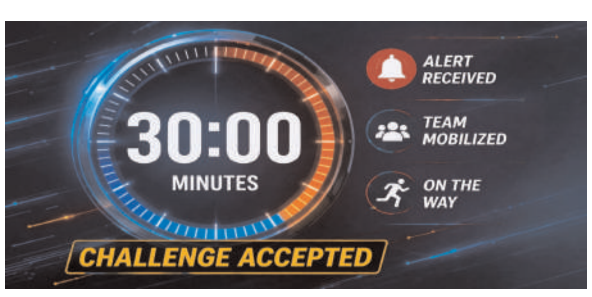

यह पहल यात्री सेवा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी छलांग है, जिसमें अत्याधुनिक रिपोर्टिंग प्रणाली को समर्पित जमीनी स्तर के कर्मचारियों के साथ एकीकृत किया गया है। इसे देखें, इसकी सूचना दें, हम इस पर कार्रवाई करेंगे के प्रेरणादायक नारे के तहत, पूर्व रेलवे प्रत्येक यात्री को अपनी यात्रा की स्वच्छता में सक्रिय भागीदार बनने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए डिजाइन किया गया हैः यदि कोई यात्री कूड़ा, रिसाव या कोई भी अस्वच्छ क्षेत्र देखता है, तो उन्हें उसकी तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संबंधित विभागों के आधिकारिक हैंडल– @drmsdah, @drmhowrah, @drmmal-da, या @DrmAsansol—को टैग करके और # ईआर चैलेंज हैशटैग का उपयोग करके, यात्री तत्काल कार्रवाई शुरू करवा सकते हैं। फेसबुक या रेलमदद के माध्यम से भी रिपोर्ट दर्ज की जा सकती है। रिपोर्ट सत्यापित होने के बाद, त्वरित प्रतिक्रिया देने वाले सफाई दल 30 मिनट के भीतर उस स्थान को साफ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि सफाई गारंटी सियालदह, हावड़ा, मालदा और आसनसोल मंडलों के प्रत्येक स्टेशन पर लागू होगी, जबकि कल के उद्घाटन समारोह 15 विशेष केंद्रों पर आयोजित किए जाएंगे ताकि पूरे जोन में इस अभियान को गति मिल सके।

कल के इस भव्य शुभारंभ का दायरा अभूतपूर्व होगा, जिसमें 15 महत्वपूर्ण स्टेशनों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सियालदह मंडल में सियालदह, दमदम जंक्शन, बैरकपुर, नैहाटी, कांचरापाड़ा और बारासात में अभियान शुरू किया जाएगा। हावड़ा मंडल में हावड़ा, लिलुआ, बैण्डेल जंक्शन और रामपुरहाट में कार्यक्रम होंगे। आसनसोल मंडल में आसनसोल और दुगार्पुर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जबकि मालदा मंडल में मालदा, जमालपुर और भागलपुर को शामिल किया गया है। पूर्व रेलवे के सभी विभागों को इस मिशन के समर्थन के लिए पूरी तरह समन्वित किया गया है, ताकि 24.7 निगरानी नई कार्यसंस्कृति बन सके। मंडलीय अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय यह सुनिश्चित करेगा कि चाहे यात्री किसी बड़े जंक्शन पर हों या छोटे स्टेशन पर, स्वच्छता का स्तर समान रूप से पेशेवर और उत्कृष्ट बना रहे।

इस पहल के भावनात्मक पक्ष पर जोर देते हुए, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि रेलवे इन स्टेशनों को केवल बुनियादी ढाँचा नहीं मानता, बल्कि यह लाखों दैनिक यात्रियों का ह्लदूसरा घरह्व हैं। उन्होंने कहा कि इन परिसरों को भी उतनी ही देखभाल मिलनी चाहिए जितनी कोई अपने घर के ड्रॉइंग रूम को देता है। उन्होंने बताया कि रेलवे 30 मिनट के भीतर सफाई सुनिश्चित करने के लिए सभी संसाधन तैनात कर रहा है, लेकिन इस अभियान की वास्तविक सफलता जनता की भागीदारी पर निर्भर करेगी। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे गंदगी न फैलाएँ और अपने आसपास के वातावरण पर गर्व करें। उन्होंने याद दिलाया कि स्वच्छता केवल रेलवे द्वारा दी जाने वाली सेवा नहीं, बल्कि समाज द्वारा अपनाई जाने वाली संस्कृति है। अंत में उन्होंने दोहराया कि स्वच्छ और बेहतर भविष्य एक साझा जिम्मेदारी है, और #ईआर चैलेंज के माध्यम से अब हर यात्री के पास बदलाव लाने की शक्ति है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com